



देहरादून में ट्रिपल मर्डर से फैली सनसनी

देहरादून। राजधानी देहरादून में मंगलवार को दिनदहाड़े हुई ट्रिपल मर्डर की वारदात से सनसनी फैल गई। तपोवन क्षेत्र की विष्णु लोक कॉलोनी में आयुध निर्माणी से सेवानिवृत्त दंपती और उनके घर में काम करने वाली नौकरानी की कथित तौर पर पेशकस से हमला कर हत्या कर दी गई। एक ही घर में तीन लोगों की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

बताया जा रहा है कि वारदात के दौरान घर से चीख-पुकार की आवाजें सुनाई दीं। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो एक संदिग्ध व्यक्ति वहां से भागने का प्रयास कर रहा था। पड़ोसियों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी के पास से लूटी गई सोने की चेन भी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वारदात के पीछे लूट का मकसद था या इसके पीछे कोई अन्य कारण, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

रिटायर्ड दंपती व नौकरानी की बेरहमी से हत्या



घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को सुरक्षित किया और साक्ष्य जुटाने शुरू किए। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी

कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एक ही घर में तीन हत्याओं की खबर से विष्णु लोक कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं पुलिस अधिकारियों का कहना है

कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। हत्या के वास्तविक कारण और घटनाक्रम का खुलासा पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

2026 का फिजिक्स नोबेल फ्रांसिस हाल्जेन को मिला

अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी कणों को पकड़ने का तरीका खोजा

स्टॉकहोम (एजेंसी)। बेलजियम में जन्मे अमेरिकी वैज्ञानिक फ्रांसिस हैल्जेन को 2026 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला है। उन्हें यह पुरस्कार अंतरिक्ष से धरती तक आने वाले बेहद ताकतवर न्यूट्रिनो को पकड़ने और उनके बारे में पता लगाने में अहम काम के लिए दिया गया है। उन्होंने दक्षिणी ध्रुव की बर्फ में न्यूट्रिनो पकड़ने वाली आइसक्यूब ऑब्जर्वेटरी बनाने का विचार दिया था।

नोबेल पुरस्कार के विजेताओं को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है। आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी दक्षिणी ध्रुव में है। इसके



फ्रांसिस हैल्जेन

सेंसर दक्षिणी ध्रुव की करीब 1.5 से 2.5 किलोमीटर गहरी बर्फ के अंदर लगाए गए हैं।

अंतरिक्ष के न्यूट्रिनो पकड़ने के लिए बर्फ का इस्तेमाल- न्यूट्रिनो बहुत छोटे कण हैं, जो सूरज, तारों और अंतरिक्ष की बेहद ताकतवर घटनाओं से निकलते हैं। अरबों न्यूट्रिनो हर सेकंड हमारे शरीर और धरती के आर-पार निकल जाते हैं, लेकिन हमें उनका पता तक नहीं चलता। इन कणों की खास बात यह है कि वे अंतरिक्ष से निकलकर लगभग सीधी दिशा में धरती तक पहुंचते हैं और रास्ते में बहुत कम बदलते हैं। इसलिए अगर वैज्ञानिक इन्हें पकड़ लें, तो वे पता लगा सकते हैं कि ये ब्रह्मांड में कहां और किस घटना से निकले थे। लेकिन न्यूट्रिनो को पकड़ना आसान नहीं है।

संक्षिप्त

समाचार

बीसीसीआई मीटिंग के बाद हरमनप्रीत ने छोड़ी कप्तानी

उनकी अगुआई में भारत ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप जीता, स्मृति बन सकती है अगली कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई



बीसीसीआई की मीटिंग के बाद आया है। बैठक में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृति मंधाना और कोच अमोल मजूमदार शामिल हुए थे। टीम के भविष्य और कप्तानी को लेकर भी चर्चा हुई। हरमनप्रीत के बाद स्मृति मंधाना को अगला कप्तान बनाया जा सकता है। 37 साल की हरमनप्रीत के नाम कई रिकॉर्ड हैं। इनमें बतौर कप्तान भारत को पहला महिला वर्ल्ड कप जिताना शामिल है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2012, 2016, 2022 और 2026 एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया। 2012 एशिया कप में हरमनप्रीत ने सिर्फ फाइनल में कप्तानी की थी। बाकी मैचों में मिताली राज ने टीम की कप्तान संभाली थी।

बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी की 6 सीटों पर वोटिंग

बंगाल में पुलिस ने हुमायूं कबीर को गिरफ्तार किया; ममता न सीएम-विधायक, न उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हुई। इस दौरान आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी)



के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे हुमायूं नबी आजाद भी रंजीतनगर से उम्मीदवार हैं। मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठाया जा रहा है।

27 के लिए 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया, पहली तिमाही के मजबूत आंकड़ों का फायदा मिला

वर्ल्ड बैंक ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले अप्रैल में वर्ल्ड बैंक ने एफबाय 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान 6.6 प्रतिशत बताया था। मंगलवार, 6 सितंबर को जारी लेटेस्ट रिपोर्ट 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' में वर्ल्ड बैंक ने यह बात कही है।

ग्लोबल ट्रेड और बुनिया में तनाव के बावजूद भारत की इकोनॉमी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत रही थी।



गांव-शहरों में मांग बढ़ी, एक्सपोर्ट भी बढ़ा- वर्ल्ड बैंक के अनुसार, भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ में निवेश और घरेलू खपत यानी प्राइवेट कंजम्पशन का सबसे बड़ा योगदान रहा है।

गांव और शहर दोनों में मांग- अच्छी खेती, सरकारी से किसानों को सिंधी सहायता और सब्सिडी के चलते डिमांड बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर टैक्स में राहत और जीएसटी कटौती के बाद शहरी खपत में भी उछाल देखने को मिला है।

स्कूलों में रोजाना संविधान की प्रस्तावना का पाठ अनिवार्य करने की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सिलेबस में पहले से ही शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल कर एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी जिसके तहत स्कूलों में सुबह की असेंबली के दौरान छात्रों को संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आज मंगलवार को इस पीआईएल पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ,



सदीप मेहता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि प्रस्तावना पहले से ही स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा है और इसे छटी कक्षा से ही छात्रों को पढ़ाया जाता है। संविधान की प्रस्तावना को राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग खारिज- दिल्ली यूनिवर्सिटी के राजधानी कॉलेज में अडिस्ट्रेट प्रोफेसर धीरज कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका दायर की थी। इस याचिका में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय और CBSE के स्कूली बच्चों में संवैधानिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों के मार्च को पुलिस ने रोका

ज्ञानेश कुमार से मिलने पर अड़े राहुल गांधी, आकाशवाणी भवन में धरना
वयों नहीं मिल रहे राहुल गांधी बोले- 300 सांसदों को रोका गया, पुलिस हमें धमका रही

और धमका रही है। राहुल गांधी ने कहा कि संसद से हमारे साथ 300 सांसद चुनाव आयोग जाना चाहते थे। हालांकि, उन्हें बीच में ही रोक दिया गया। हम करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आखिर 300 सांसदों को क्यों रोका गया है।

देश में क्या हो रहा- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हमें यहीं रोक



दिया। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि हमें यहां क्यों रोका गया है। हमें समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है,

इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च में पहली बार दिल्ली बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों के सांसदों ने मंगलवार को विरोध मार्च निकाला। जिसमें पहली बार बीजेपी की 'न्यूट्रल सहयोगी' मानी जाने वाली बीजेडी ने भी शिरकत की। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस बात का जिक्र किया। बीजेपी नेता जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में बीजेडी सांसदों के मार्च में शामिल होने की जानकारी दी। संसद के मकर द्वार से निकला विपक्ष का मार्च नीति आयोग के पास ही रुक गया। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी।



धामी सरकार में चारधाम यात्रा ने रचा नया कीर्तिमान

श्रद्धालुओं की संख्या 56.18 लाख के पार, वर्ष 2023 का रिकॉर्ड टूटा, चारधाम यात्रा में अब तक सर्वाधिक श्रद्धालुओं का आगमन *बेहतर व्यवस्थाओं, सुरक्षित यात्रा और सुगम सुविधाओं से लगातार बढ़ रहा श्रद्धालुओं का विश्वास, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड की धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन पहचान हुई और सशक्त

जयन्त प्रतिनिधि देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा ने नया ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। चारधाम यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 56,18,497 के आंकड़े को पार कर गई है। इसके साथ ही वर्ष 2023 में दर्ज अब तक के सर्वाधिक श्रद्धालुओं के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए इस वर्ष चारधाम यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। चारधाम यात्रा के प्रति देश-दुनिया के श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। बाबा केदारनाथ, भगवान बदरीशाल, मां गंगोत्री और मां यमुनोत्री के दर्शन के लिए इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु देवभूमि पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में यह ऐतिहासिक वृद्धि उत्तराखण्ड के प्रति बढ़ते धार्मिक पर्यटन और देशभर के श्रद्धालुओं के विश्वास को दर्शाती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में



राज्य सरकार द्वारा चारधाम यात्रा को सुरक्षित,

सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक

स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं, यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग, आवास, आपदा प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया गया है। यात्रा के दौरान प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, एसडीआरएफ सहित संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर भी विशेष जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में केदारनाथ और बदरीनाथ धाम सहित उत्तराखण्ड के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर अवस्थापना सुविधाओं के विकास से प्रदेश की आध्यात्मिक पहचान को नई मजबूती मिली है। बेहतर कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाओं के विस्तार का सकारात्मक

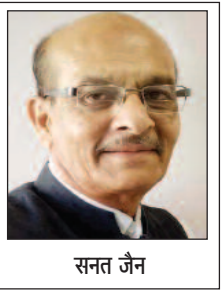
प्रभाव चारधाम यात्रा में लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या के रूप में भी दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा में नया रिकॉर्ड बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु हमारा अतिथि है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा सुरक्षित, सुगम और सुखद हो। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड में विकसित हो रही बेहतर सुविधाओं और श्रद्धालुओं के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के सफल संचालन में योगदान देने वाले प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, एसडीआरएफ, स्थानीय निकायों, तीर्थ पुरोहितों, स्थानीय लोगों और यात्रा व्यवस्था से जुड़े सभी कार्मिकों के प्रयासों की भी सराहना की।

संपादकीय

स्पर्धों से सस्ती जिंदगी

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में तीन लोगों की हत्या ने वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के रायपुर थाना क्षेत्र विष्णु लोक में आज दिन में हुए इस प्रकरण में बुजुर्ग पति-पत्नी और उनकी घरेलू महिला नौकरानी की पंचकस घोंप कर हत्या कर दी गई। शुरुआत में लगा कि यह किसी गिरोह का काम है जो बुजुर्गों को घर में अकेला देखकर लूटपाट के उद्देश्य से घुसा, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा आरोपी को पकड़े जाने के बाद घटनाक्रम से पर्दा उठना चला गया और पता लगा की मात्रा 300 की लेनदेन को लेकर तीन लोगों की हत्या कर दी गई। आरोपी का बुजुर्ग के घर में पहले से ही आना जाना था जो उनके घर के प्लंबर से संबंधित कार्य करता था। पूछताछ में सामने आया है कि 300 के लेनदेन को लेकर गाली गलौज हुई और इसी दौरान तीन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। राजधानी देहरादून में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की एक बड़ी संख्या है और समय-समय पर पुलिस ऐसे लोगों की खोज खबर भी लेती रहती है। इसके लिए विशेष तौर पर सीनियर सिटीजन सैलरी बनाया गया है जिसके तहत प्रत्येक थाना क्षेत्र की पुलिस अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सूची बनाकर समय-समय पर उनकी सुरक्षा एवं कुशलता को लेकर संपर्क करती है। लेकिन यह मामला अन्य घटनाओं से बिल्कुल विपरीत है इसमें आरोपी का पहले से ही घर में आना जाना था और नियमित तौर पर घर के काम किया करता था। लिहाजा यहां शक करने जैसी कोई संभावना ही नहीं थी लेकिन स्थिति ऐसी बानी जहां मजदूरी का पैसा ही तीन लोगों की जिंदगी को लील गया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर किसी भी व्यक्ति पर विश्वास का पैमाना क्या हो सकता है? क्या यहां आरोपी को पूरी तरह से गलत ठहराया जा सकता है क्योंकि वह सिर्फ अपनी मजदूरी के पैसे मांग रहा था और उसका कहना है कि पैसे को लेकर उसके साथ गाली गलौज की गई। हालांकि बात इतनी आगे बढ़ जाएगी इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी, लेकिन जब गुस्सा सर पर कवरा हो जाता है तो अंजाम की परवाह भी नहीं रह जाती है। चंद पलों में जहां तीन लोगों की जिंदगी समाप्त हो गई तो वही एक परिवार का कमाने वाला भी अब कई वर्षों तक सलाखों के पीछे रहेगा उसे पर कानून की पेचीदगियां एवं लंबा चौड़ा खर्चा अलग। ऐसी घटनाएं वास्तव में विचलित करती हैं और सोचने पर विवश करती है कि हमारे घरों में प्रवेश करने वाले लोग कितने विश्वसनीय हैं और उनकी मौजूदगी सुरक्षा के लिए कितनी हानिकारक हो सकती है? देखा जाए तो इस घटना के पीछे दोनों ही पक्षों को थोड़ा संयमित होना चाहिए था, यहां एक और कई वर्षों से घर में आने वाले व्यक्ति को उसकी मजदूरी का जायज पैसा देना न्याय संगत था तो वही मात्र 300 के लिए आवेश में आकर तीन लोगों को जान से मार देना भी एक शब्द समझ में स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे मौके पर सबसे महत्वपूर्ण है कि अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखा जाए खास तौर से ज़ेध की स्थिति को अपने उम्र हावी न होने दिया जाए तो वही दैनिक तौर पर कार्य करने वाले श्रमिकों को तय पैसे देनी चाहिए ना की लेनदेन को लेकर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाए।



सनत जैन

रुस के साइबेरिया मे इरकुत्स्क स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की 28 वर्षीय, प्रयोगशाला कर्मचारी दार्या शिपिलोवा की मौत ने दुनिया का ध्यान एक बार फिर हाई-कंटेनमेंट लैबोरेटरीज और जैव-सुरक्षा की ओर खींचा है। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है, काम के दौरान प्लेग बैक्टीरिया से भरी टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। उसके बाद महिला गंभीर रूप से बीमार हुई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को निगरानी में रखे जाने की खबर सामने आई है। यहां सबसे जरूरी बात है, घटना को लेकर विरोधाभासी जानकारी मिल रही है। रूसी स्वास्थ्य निगरानी संस्था रोशपोटेरबनादर का कहना है, महिला की मौत का कारण अभी हूअज़ात निमोनियाहूक के वायरस हैं। जांच में उसके काम से जुड़े किसी सूक्ष्म जीव

की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह कहना, कि टेस्ट ट्यूब टूटने से ही प्लेग संक्रमण हुआ। उसी से महिला की मौत हुई, फिलहाल यह स्थापित तथ्य नहीं है। फिर भी सवाल गंभीर है। यरसिया पेस्ट्रीस नामक बैक्टीरिया ही प्लेग का कारण है। यह सामान्यतः छोटे स्तनधारियों और उनके पिस्सुओं में पाया जाता है। प्लेग का न्यूमोनिक रूप संक्रमित व्यक्ति से निकलने वाले श्वसन कणों के जरिए दूसरे व्यक्ति तक पहुंच सकता है। समय पर एंटीबायोटिक उपचार मिलने पर इसका इलाज संभव है। लेकिन इलाज में देरी अत्यंत घातक हो सकती है। जो मौत का कारण बन सकती है। यही कारण है, दुनिया में ऐसी प्रयोगशालाओं के लिए अत्यंत कठोर सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। हालिया वैज्ञानिक मैपिंग के अनुसार दुनिया में 3,625 बीएसएल-3 और बीएसएल-4 प्रयोगशालाएं चिन्हित की गई हैं। इमें 3,515 बीएसएल-3 और 110 बीएसएल-4 की उन्नत सुविधाएं वाली लेब हैं। बीएसएल-4 को अधिकतम स्तर की जैव-सुरक्षा वाली प्रयोगशाला माना जाता है। जहां अत्यधिक गंभीर जोखिम वाले बैक्टीरिया और वायरस के साथ तरह-तरह का प्रयोग किया जाता है। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है। किसी लैब में खतरनाक वायरस या बैक्टीरिया पर शोध होना, जैविक हथियार बनाने का प्रमाण नहीं माना जाता है। संक्रमक रोगों की पहचान, वैक्सीन, दवाओं, निदान और महामारी की तैयारी के लिए ऐसे शोध आवश्यक होते हैं।

बुआ मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को वापस बुलाया या राजनीतिक जाल में फंसा दिया?



नीरज कुमार दुबे

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पढ़ के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी-सी है कि भतीजे ने माफ़ी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की? असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी? याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी

दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था। क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजुद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ हूमायवती के भतीजेहू नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती। देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा-कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी। ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुमकिन है कि मायावती ने इसी

खतरे को भांप लिया हो। उन्हें लगा हो कि अगर आकाश दूसरे दल में चले गए और वहां युवा दलित राजनीति का नया चेहरा बन गए तो बसपा के सामने सिर्फ एक नेता के जाने का संकट नहीं होगा, बल्कि नेतृत्व की अगली पीढ़ी का विकल्प भी पार्टी के बाहर तैयार हो जाएगा। बसपा अगर अभी शून्य पर खड़ी दिखाई दे रही है तो आकाश की किसी दूसरे राजनीतिक मंच पर जाकर मजबूत होना इस शून्य को डबल शून्य में बदल सकता है। इसलिए भतीजे को वापस बुलाना जरूरी समझा गया। लेकिन यहां कहानी में एक और पेंच है। आकाश को सिर्फ वापस नहीं बुलाया गया, उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया। सुनने में यह बड़ा सम्मान है, लेकिन राजनीति में हर सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी आती है। आकाश को अब जो जिम्मेदारी मिली है, वह आसान नहीं है। खासकर तब, जब सामने 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव खड़ा है। अब अगर बसपा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करती है तो मायावती की रणनीति सफल कहीं जाएगी और आकाश आनंद को इसका फायदा भी मिलेगा। लेकिन अगर बसपा का प्रदर्शन फिर कमजोर रहा तो सवाल सिर्फ मायावती से नहीं होगा। सवाल आकाश से भी होगा। आखिर राष्ट्रीय संयोजक किसलिए बनाए गए थे? संगठन को मजबूत करने के लिए या सिर्फ पद की शोभा बढ़ाने के लिए? युवा वोटर्स को बसपा से जोड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी? चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने का काम कौन कर रहा था? यानी मायावती ने आकाश को वापस लाकर उन्हें एक ऐसी जिम्मेदारी दे दी है जिसमें सफलता का श्रेय तो मिलेगा ही, लेकिन असफलता का टीकरा भी सिर पर फूट सकता है। यही वह जगह है जहां सवाल उठता है कि कहीं यह आकाश आनंद की राजनीतिक ब्रांड वैल्यू को मजबूत करने की बजाय धीरे-धीरे खत्म करने की रणनीति तो नहीं? क्योंकि मान लीजिए 2027 में बसपा फिर चुनावी तौर पर कोई खास कमाल नहीं कर पाती। तब आकाश आनंद के पास क्या बचेगा? वह किसी

पर हमला किया था। युद्ध में इराक की पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। वर्तमान स्थिति में जैविक हथियारों को लेकर भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई दिख रही है] जो चिंता का सबसे बड़ा कारण है। इस पूरे मामले का सबसे बड़ा सबक यही है, खतरनाक रोग-जनकों पर शोध बंद करना समस्या का वास्तविक समाधान नहीं है। जैविक प्रशिक्षण में पारदर्शिता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र निरीक्षण, कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निगरानी को मजबूत करना ही समस्या का समाधान हो सकता है। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा, मानव जीवन बचाने के लिए बनाई गई प्रयोगशालाएं स्वयं मानवता के लिए खतरा न बन जाएं। रूस की घटना में जांच का निष्कर्ष चाहे जो निकले, एक सवाल पूरी दुनिया के सामने खड़ा है, क्या 21वीं सदी में परमाणु हथियारों की तरह जैविक अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही और निगरानी को अनिवार्य बनाने का समय आ गया है? दुनिया के शक्तिशाली देशों में जिस तरह की होड़ देखने को मिल रही है। ज्यादा से ज्यादा पैसा और ज्यादा से ज्यादा प्रभाव को यह लड़ाई अब चरम पर पहुंच गई है। एक बार फिर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध जैसे हालात दिखने लगे हैं। ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के शोध पर विशेष निगरानी की जरूरत है। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए ऐसी देशों को इस मामले में एकजुट होना चाहिए।

दूसरी पार्टी में जाकर यह भी नहीं कह सकते कि उन्हें बसपा में मौका नहीं मिला था। मौका मिला, राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया, संगठन की जिम्मेदारी दी गई और फिर भी पार्टी चुनाव नहीं जीत सकी। ऐसे में दूसरे दलों के लिए आकाश को अपने साथ लेना उतना आकर्षक नहीं रह जाएगा। यानी जिस समय वह बसपा से बाहर थे, उस समय दूसरे दल उन्हें अपने यहां लाने की संभावनाएं तलाश रहे थे। लेकिन अब वह बसपा के राष्ट्रीय संयोजक हैं। अगर बसपा फिर कमजोर प्रदर्शन करती है तो वही दूसरे दल शायद यह सोचें कि जिस नेता को अपनी पार्टी संभालने का मौका मिला और वह उसे नहीं उठा पाया, उसे अपने यहां लाकर क्या हासिल होगा? देखा जाये तो राजनीति में इसे बहुत बारीक तरीके से समझना होगा। मायावती ने आकाश को बाहर जाने से तो रोक लिया, लेकिन साथ ही उन्हें बसपा की किस्मत से बांध भी दिया। अब आकाश की राजनीतिक कामयाबी और बसपा की राजनीतिक कामयाबी एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं। इसके अलावा, यहां एक सवाल मायावती से भी पूछा जाना चाहिए। मायावती की राजनीति की सबसे बड़ी पहचान ही परिवारवाद के खिलाफ लड़ाई रही है। काशीराम ने परिवार की राजनीति नहीं की। उन्होंने मायावती जैसे कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया। मायावती ने भी लंबे समय तक यही संदेश दिया कि बसपा किसी एक परिवार की पार्टी नहीं, बल्कि बहुजन समाज की पार्टी है। लेकिन अगर पिछले कुछ समय से बसपा के भीतर परिवार के सदस्यों की भूमिका लगातार चर्चा में है। आकाश आनंद को पहले अगे किया गया। फिर हटया गया। ईशान आनंद को जिम्मेदारी मिली। फिर आकाश को वापस लाया गया। दीपिका आनंद के नाम की चर्चा भी सामने आई। कभी कहा गया कि परिवार के किसी सदस्य को राजनीतिक पद नहीं दिया जाएगा और फिर घटनाक्रम कुछ ही समय में दूसरी दिशा में जाता दिखाई दिया।

मोदी के 25 वर्ष : निर्णायक नेतृत्व से बदलते भारत तक



विनोद सिंह ‘तकियावाला’

मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा।

गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक ढाई दशक की शासन-यात्रा, कैबिनेट के फैसलों में दिखाई देती नीति-निरंतरता और विकसित भारत के संकल्प की कहानी... भारत की राजनीति में ढाई दशक का समय किसी भी नेतृत्व की कार्यशैली, सोच और प्रशासनिक क्षमता को परखने के लिए पर्याप्त होता है। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में शासन के 25 वर्ष पूरे होना इसी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से शुरू हुई यह यात्रा आज प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दिशा तय करने वाले नेतृत्व तक पहुंच चुकी है। इस लंबे कालखंड को केवल चुनावी सफलताओं के आधार पर नहीं, बल्कि शासन की निरंतरता, नीतिगत फैसलों और उनके दूरगामी प्रभावों के संदर्भ में देखना अधिक महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी की शासन शैली की एक प्रमुख विशेषता निर्णय लेने की स्पष्टता रही है। कैबिनेट की बैठकें इसी प्रशासनिक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रत्येक कैबिनेट निर्णय अपने आप में केवल एक सरकारी प्रस्ताव की स्वीकृति नहीं होता, बल्कि वह सरकार की प्राथमिकताओं और भविष्य की दिशा का संकेत भी देता है। कैबिनेट ब्रीफिंग के माध्यम से जब सरकार अपने निर्णयों को देश के सामने रखती है तो उसमें अर्थव्यवस्था, आधारभूत ढांचा, ऊर्जा, शिक्षा, रोजगार, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, विज्ञान-तकनीक और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों की समग्र तस्वीर दिखाई देती है। मोदी के 25 वर्षों की शासन यात्रा को समझने के लिए गुजरात का दौर महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासन को विकास की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया। आधारभूत संरचना, निवेश, औद्योगिक विकास, बिजली, सड़क और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बदलाव पर जोर दिया गया। यही अनुभव बाद में केंद्र की नीतियों में भी दिखाई दिया। प्रधानमंत्री बनने के बाद शासन का दायरा गुजरात से निकलकर पूरे देश तक पहुंचा और निर्णयों का पैमाना भी उसी अनुपात में बढ़ा। 2014 के बाद केंद्र सरकार की कार्यशैली में कैबिनेट के फैसलों को मिशन आधारित दृष्टिकोण से जोड़ने की कोशिश स्पष्ट दिखाई दी। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता, उच्चला से रसोई गैस, आयुधान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास, जल जीवन मिशन से नल से जल और डिजिटल इंडिया से डिजिटल सेवाओं तक अनेक योजनाओं ने शासन को सीधे नागरिकों के जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।



मोदी सरकार की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों को समयबद्ध कार्यक्रमों में बदलने की रही है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय अवसरचना पाइपलाइन, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा और विकसित भारत 2047 जैसे अभियानों में इसी सोच की झलक मिलती है। हाल के वर्षों में कैबिनेट के निर्णयों में भी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, रेलवे और राजमार्गों का विस्तार करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को गति देने पर लगातार जोर दिखाई देता है। भारत के बुनियादी ढांचे में आया परिवर्तन इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। रेलवे के आधुनिकीकरण से लेकर सर्पित माल गलियारों, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों, नए हवाई अड्डों, एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी तक विकास का एक व्यापक नेटवर्क तैयार हुआ है। कैबिनेट द्वारा परियोजनाओं को मंजूरी देने के बाद उनके क्रियान्वयन की निगरानी और समयबद्ध पूरा करने पर भी सरकार का जोर रहा है। इससे शासन में केवल घोषणा के बजाय परिणाम को महत्व देने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है। ऊर्जा क्षेत्र में भी पिछले वर्षों में नीति का फोकस बदलता दिखाई दिया है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ना सरकारी प्राथमिकताओं में शामिल हुआ है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसे कार्यक्रम भारत को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की कोशिश हैं। यह परिवर्तन केवल पर्यावरणीय चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा,

रोजगार, निवेश और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा हुआ है। डिजिटल शासन ने भी मोदी युग की प्रशासनिक पहचान है। आधार, मोबाइल और बैंक खाते के त्रिकोण से लेकर डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं के ऑनलाइन विस्तार तक तकनीक को शासन का माध्यम बनाया गया। कोविड-19 के कठिन दौर में डिजिटल प्रणालियों ने सरकारी सहायता, टीकाकरण और भुगतान व्यवस्था को बड़े पैमाने पर संचालित करने में भूमिका निभाई। आज भारत का डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना मॉडल दुनिया में चर्चा का विषय है। विदेश नीति के क्षेत्र में भी पिछले 25 वर्षों की यात्रा को अलग दृष्टि से देखा जा सकता है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में निवेश और वैश्विक संपर्क को जोर देने वाले नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में भारत की कूटनीतिक पहुंच को व्यापक बनाया। भारत ने एक ओर अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत किए, वहीं दूसरी ओर रूस, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी सक्रिय संबंध बनाए रखे। जी-20 की अध्यक्षता और भारत की वैश्विक भूमिका ने इस कूटनीतिक विस्तार को नई पहचान दी। मोदी के शासन के 25 वर्ष केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों और फैसलों का मूल्यांकन निरंतर होना चाहिए। रोजगार, कृषि आय, सामाजिक असमानता, महंगाई, संस्थागत जवाबदेही और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन

जैसे सवाल लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने रहेंगे। यही लोकतंत्र की शक्ति है कि उपलब्धियों के साथ चुनौतियों पर भी चर्चा होती रहे। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि ढाई दशक तक लगातार सत्ता और शासन की जिम्मेदारी संभालने वाले भारतीय नेताओं की सूची बहुत छोटी है। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन इसलिए भी विशिष्ट है कि उन्होंने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर लंबे समय तक प्रशासन चलाया है। मुख्यमंत्री के रूप में प्राप्त अनुभव ने प्रधानमंत्री के रूप में उनकी शासन शैली को प्रभावित किया और प्रधानमंत्री के रूप में प्राप्त राष्ट्रीय अनुभव ने भारत की विकास यात्रा को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया। आज कैबिनेट ब्रीफिंग में जब किसी नई परियोजना, नीति या सुधार की घोषणा होती है तो उसके पीछे केवल तत्कालीन आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की अर्थव्यवस्था और समाज को प्रभावित करने वाली सोच भी दिखाई देती है। यही कारण है कि कैबिनेट के फैसलों को मोदी के 25 वर्षों के शासन-अनुभव से जोड़कर देखना उपयोगी है। इन फैसलों में निरंतरता, विस्तार और भविष्य की तैयारी-तीनों तत्व दिखाई देते हैं। ढाई दशक की यह यात्रा अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। विकसित भारत 2047 का लक्ष्य सामने है। अगले वर्षों में भारत को दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनाने, विनिर्माण और तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ाने, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने और आधारभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने की चुनौती है। इन लक्ष्यों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि नीतियां कितनी प्रभावी ढंग से जमीन पर उतरती हैं और शासन व्यवस्था कितनी जवाबदेह तथा जनेकेंद्रित रहती है। नरेंद्र मोदी के शासन के 25 वर्षों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यही है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में दीर्घकालिक लक्ष्य, निर्णायक निर्णय और प्रशासनिक निरंतरता को एक साथ जोड़ने की कोशिश की है। गुजरात से शुरू हुई यात्रा दिल्ली तक पहुंची और अब उसका लक्ष्य विकासित भारत है। कैबिनेट के निर्णय इस यात्रा के तत्कालीन पड़ाव हैं, जबकि 2047 का संकल्प उसकी दीर्घकालिक मंजिल है। इसलिए मोदी के 25 वर्ष केवल एक राजनीतिक उपलब्धि का आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय शासन व्यवस्था में आगे बढ़ावलाओं को देखने की एक महत्वपूर्ण खिड़की हैं।आने वाला समय इन फैसलों और नीतियों के अंतिम परिणामों का मूल्यांकन करेगा, लेकिन यह निर्विवाद है कि पिछले 25 वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति और शासन की कार्यशैली पर अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

नाबालिगों के वाहन चलाने पर पुलिस सख्त, पांच दोपहिया सीज

अभिभावकों को कोतवाली बुलाकर कराई काउंसलिंग, वाहन न देने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर की सड़कों पर दोपहिया वाहन दौड़ा रहे नाबालिगों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। मंगलवार को कोतवाली पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर वाहन चला रहे पांच नाबालिगों को पकड़ा और उनके दोपहिया वाहन सीज कर दिए। पुलिस ने सभी बच्चों के अभिभावकों को कोतवाली बुलाकर काउंसलिंग भी की और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन न देने की अपील की।

तकनीकी शिक्षा से जुड़े विद्यार्थी, सरकार कर रही प्रयास

कालागढ़ के राजकीय इंटर कॉलेज को मिले कंप्यूटर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि बदलते दौर में विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ तकनीकी ज्ञान हासिल करना भी जरूरी है। बच्चों को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। उन्होंने मंगलवार को कालागढ़ स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को कंप्यूटर विवरित किए।

भारतीय कृषि बीमा कंपनी (एआईसी) और आधारशिला संस्थान की ओर से आयोजित कंप्यूटर वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि कंप्यूटर शिक्षा विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से परिचित कराने के साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर उपलब्ध कराने में सहायक है। उन्होंने विद्यार्थियों से डिजिटल तकनीक का सकारात्मक और रचनात्मक उपयोग करते हुए अपने ज्ञान को बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के सफर के साथ आगे बढ़ रहा है। इसके लिए शिक्षा, तकनीक, युवा शक्ति और

संक्षिप्त समाचार

पर्वतारोहियों व वन विभाग कर्मियों ने चलाया सफाई अभियान

उत्तरकाशी/पुरोला। वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह के तहत वन विभाग की ओर से जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गंगोत्री नेशनल पार्क की ओर से गंगोत्री-कनखू बैरियर के पास गोमुख जाने वाले पर्वतारोहियों के साथ सफाई अभियान चलाया गया। गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंज अधिकारी प्रदीप बिष्ट और वन दरोगा राजवीर रावत ने ट्रेकरों को गंगोत्री नेशनल पार्क की जैव विविधता और वन्यजीवों के बारे में विस्तार से बताया। उधर, टैंस वन प्रभाग पुरोला की ओर से पीएम श्रील उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज पुरोला में हुई भाषण प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में ऋचा चौहान प्रथम, शोतल द्वितीय और तनवी तृतीय रही। जूनियर वर्ग में कार्तिक प्रथम, अक्षत द्वितीय और सार्थक तृतीय रहे।

चित्रकला के सीनियर वर्ग में हिरेंद्र चौहान प्रथम, सुमित द्वितीय और अस्मित रावत तृतीय रहे। जूनियर वर्ग में सार्थक प्रथम, लोकेन्द्र द्वितीय और अक्षत तृतीय रहे। वहीं, निबंध के सीनियर वर्ग में अंशिका जोन प्रथम, बिदांशी द्वितीय और तनिष्का शर्मा तृतीय रही। जूनियर वर्ग में चंद्रमोहन प्रथम, मानसी द्वितीय और लोकेन्द्र तृतीय रहे। उप वन संरक्षक आशुतोष सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य प्रताप राणा, सुखदेव राणा, रवींद्र राणा, जगविजय राणा, विष्णु रावत, एसडीओ विकास रावत आदि मौजूद रहे।

पांच लोगों को मिला स्व. ललित मोहन कोटियाल स्मृति नागरिक सम्मान



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय पौड़ी में नागरिक कल्याण मंच एवं विकास समिति व उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट की ओर से दिवंगत पत्रकार ललित मोहन कोटियाल की पुण्य तिथि पर ललित मोहन कोटियाल स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में अहम योगदान देने वाली पांच विभूतियों को

किया। उन्होंने कहा मेरी प्रारंभिक शिक्षा डीएवी स्कूल पौड़ी से शुरू हुई। उन्होंने बचपन की यादें ताजा कीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो हमें सही, सटीक, वैज्ञानिक व नवाचारी भाव से जोड़कर बेहतर नागरिक के रूप में गढ़ती है। कहा कि समावेशी समाज की संकल्पना को सामूहिक जिम्मेदारी के साथ साकार रूप दिया जा सकता है। वरिष्ठ नागरिकों का हमें हमेशा सम्मान करना चाहिए। किसी शहर या गांव को बनाने व बढ़ाने में उनका अहम योगदान होता है। पत्रकार जगमोहन डांगी व बाल साहित्यकार मनोहर चमोली ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में ललित मोहन कोटियाल का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी संजीवनी मिसाल रही है। समारोह में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अहम योगदान देने के लिए कीर्ति सिंह रावत, खेल के क्षेत्र में राजेंद्र सिंह रावत, शिक्षा वीरेंद्र काला, गढ़वाली साहित्य के क्षेत्र में गढ़ कवि व व्यंग्यकार नरेंद्र कठैत, जन सरोकार के क्षेत्र में केशर सिंह असवाल को ललित मोहन

कोटियाल स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही बोर्ड परीक्षा अव्वल रही प्रतिभाओं जीआईसी पौड़ी नगर के एरोन मेसी, मैसमोर स्कूल पौड़ी प्रियांशु, डीएवी इंटर कॉलेज पौड़ी शाह फिरोज और जीजीआईसी पौड़ी नंदिनी रावत को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के महासचिव नरेश चंद्र नौडियाल ने किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष खुबीर सिंह रावत, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र बड़थ्याल, कोषाध्यक्ष मकान सिंह रावत, व्यापार संघ अध्यक्ष विनय शर्मा, सुरेश चंद्र बड़थ्याल, अनीता रावत, कुसुम नेगी, प्रशांत नेगी आदि की मौजूद रहें।

जिला अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति पौड़ी द्वारा एजेंसी चौक स्थित कार्यालय में पत्रकार स्व. ललित मोहन कोटियाल का स्मृति दिवस मनाया। ललित मोहन कोटियाल स्मृति वन में पौधा रोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया। साथ ही जिला चिकित्सालय में मरीजों में फल वितरित किए।

शिक्षकों ने दी ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लगातार शिकायत के बाद भी समस्याओं का निराकरण नहीं होने से आक्रोशित जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने जबरन थोपे जा रहे ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। कहा कि शिक्षकों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी की अध्यक्षता में सतपुली में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षकों ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता का विरोध किया। शिक्षकों ने केंद्र सरकार से शिक्षा के अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर ऐसे शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने का स्पष्ट प्रावधान करने की मांग की। शिक्षकों ने विद्यालयों में लगातार बढ़ाए जा रहे ऑनलाइन कार्यों पर भी नाराजगी जताई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों पर अनावश्यक रूप से थोपे जा रहे ऑनलाइन कार्यों



की अधिकता के कारण शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि जबरन थोपे जाने वाले अनावश्यक ऑनलाइन कार्यों का शिक्षक विरोध एवं बहिष्कार करेंगे। बैठक में न्यूनतम वेतनमान 17,140 रुपये की वसूली के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। प्रभावित शिक्षकों ने वसूली रोकने के लिए माननीय उच्च न्यायालय की शरण

लेने का निर्णय लिया। बैठक में लक्ष्मण सिंह नेगी, मुकेश काला, बिपिन चौहान, पवन देवर्लियाल, मनोज रावत, रश्मि बिष्ट, चंद्रमोहन बिष्ट, पूरण सिंह रावत, राकेश, मनमोहन चौहान सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार रखे। बैठक का संचालन जिला मंत्री भोपाल सिंह रावत ने किया।

मेघनाथ की शक्ति से मूर्छित हुए लक्ष्मण, संजीवनी लेने पहुंचे हनुमान

काशीरामपुर तल्ला की रामलीला में कुंभकरण वध का भी हुआ मंचन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : काशीरामपुर तल्ला में चल रही रामलीला के नौवें दिन मेघनाथ-लक्ष्मण संवाद, लक्ष्मण का शक्ति लगने से मूर्छित होना, हनुमान का सुसैन वैद्य को लाना, संजीवनी बूटी के लिए मलयगिरि पर्वत की ओर प्रस्थान और कुंभकरण वध के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा।काशीरामपुर तल्ला रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला का शुभारंभ सेवामिवृत कैप्टन गणेश जुयाल ने किया।

मंचन के दौरान मेघनाथ और लक्ष्मण के बीच हुए भीषण युद्ध का दृश्य प्रस्तुत किया गया। युद्ध में मायावी मेघनाथ ने शक्ति का प्रयोग किया, जिससे लक्ष्मण मूर्छित होकर रणभूमि में गिर पड़े। लक्ष्मण के मूर्छित होने से भगवान श्रीराम की सेना में मायूसी छा गई। इसके बाद हनुमान लंका पहुंचे और वहां से सुसैन वैद्य को अपने साथ लेकर आए। सुसैन



वैद्य ने लक्ष्मण के उपचार के लिए संजीवनी बूटी लाने को कहा। इसके बाद हनुमान संजीवनी बूटी की तलाश में मलयगिरि पर्वत की ओर रवाना हुए। इस दौरान राक्षसी सेना की ओर से उन्हें रोकने और परेशान करने के प्रसंग का भी मंचन किया गया। रामलीला में कुंभकरण वध का प्रसंग भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। मंचन के दौरान कलाकारों के संवाद, अभिनय और युद्ध दृश्य को दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर डा. घनानंद शर्मा, कतिब तिवारी, विवेक बनियाल, सोहन लाल गुप्ता, भीम सिंह बिष्ट, संजीव थपलियाल, दीवान सिंह रावत, दिनेश बौडियाल, संदीप वर्मा सहित समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आकाशयान प्रतियोगिता में कोटद्वार के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हल्द्वानी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की आकाशयान प्रतियोगिता में कोटद्वार के स्कालर्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन करते हुए कई उपलब्धियां हासिल कीं। प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने के साथ ही स्पेस आर्ट स्पर्धा में भी प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया।

हल्द्वानी के गोलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर के 82 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न वैज्ञानिक और तकनीकी स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एयर राकेट्री स्पर्धा में स्कालर्स एकेडमी के प्रणव नेगी और मानविक रावत की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं जूनियर स्पेस आर्ट स्पर्धा में विद्यालय की छात्रा वंशिका मधवाल ने अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का परिचय देते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

इधर, वायु और जल के दबाव पर आधारित तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हाइड्रो राकेट्री स्पर्धा में विद्यालय के अर्णव मोघा और आरुष शाह ने बेहतरीन सूझबूझ और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले में दोनों ने राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कांस्य पदक जीता। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने खुशी जताते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

उत्तर रेलवे				
ई-निविदा सूचना				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या MC-15-CAMC-HAHW-MB-26 के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 27.10.2026, 17:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वैसाइट पर खोले जाएंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल और/स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैसाइट पर www.treps.gov.in पर उपलब्ध है।				
निविदा टाइप	सी & डब्ल्यू	एकल	टेंडर सं.	MC-15-CAMC-HAHW-MB-26
कार्य का नाम "Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) of 02 nos. Hot Axle & Hot Wheel (HAHW) detection systems over MB Division for a period of three years" with OEM or authorized dealer on single tender basis.				
निविदा टाइप	एकल	बिडिंग स्ट्राइडल	सिंगल पैकेट सिस्टम	
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय				
27.10.2026, 17:00 बजे			बिडिंग की वैधता	
एड्डर/टेंडर/बैल्यू			25.51.015.76 / - रुपये	
No:-MC-15-CAMC-HAHW-MB-26			Date:-06.10.2026	
वाहकों की सेवा में मुस्कान के साथ			3467/2026	

कार्यालय नगर पंचायत थलीसैंण

ई०मेल - eonpthalisain@gmail.com

पत्रांक संख्या / 210/ट०पंजी०/न०प०थलीसैंण/2026-27 दिनांक 06 अक्टूबर 2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल क्षेत्रान्तर्गत विकास कार्य करवाये जाने के लिए ठेकेदारों का पंजीकरण किया जाना है। जो तब तक मान्य होगा जब तक निकाय की ठेकेदारी पंजीकरण उपविधि नहीं बन जाती। इच्छुक व्यक्तियों/फर्म के द्वारा दिनांक 06.10.2026 से 20.10.2026 तक समय 04:00 बजे अपराह्न तक अपना ठेकेदारी व्यवसायी का पंजीकरण कराया जा सकता है। निर्धारित तिथि एवं निश्चित समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर किसी भी प्रकार से विचार नहीं किया जायेगा और न ही पंजीकरण की तिथि आगे बढ़ाई जायेगी। पंजीकरण से सम्बन्धित अभिलेखों की जानकारी किसी भी कार्यदिवस पर कार्यालय समय में नगर पंचायत कार्यालय थलीसैंण से प्राप्त की जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी

नगर पंचायत थलीसैंण

पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0469/65)

गढ़वाल विवि से पश्चिम बंगाल के लिए उत्तराखंड का डेलीगेट्स दल रवाना

कुलपति प्रोफेसर प्रकाश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : ‘एक भारत श्रेष्ठ भारत’ संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल युवा संगम (फेज-7) के तहत हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के एकेडमिक एक्टिविटी सेंटर में एक विशेष ऑरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों एवं शैक्षणिक संस्थानों से आए चयनित ‘डेलीगेट्स’ के दल को विश्वविद्यालय परिसर से बसों के माध्यम से पश्चिम बंगाल के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रकाश सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव और

उत्साह का दिन है। हाएक भारत श्रेष्ठ भारतह्म की संकल्पना को साकार करता हुआ यह ह्युवा संगमह्म कार्यक्रम केवल एक अंतरराज्यीय यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता, बंधुत्व और राष्ट्रीय अखंडता को एक सूत्र में पिरोने वाला अद्भुत महायज्ञ है। उन्होंने कहा कि हम सभी के लिए यह अत्यंत ही गौरव का विषय है कि भारत सरकार द्वारा पुनः हमारे विश्वविद्यालय को उत्तराखंड राज्य के लिए इस कार्यक्रम की नोडल एजेंसी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह अवसर निश्चित रूप से हमारे विश्वविद्यालय की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस यात्रा में उत्तराखंड के सभी 13 जनपदों से प्रतिनिधियों का चयन किया गया है। इसके साथ ही राज्य के विभिन्न



विश्वविद्यालयों एवं प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों से छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है, जो इस सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान के माध्यम से पूरे उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व पश्चिम बंगाल में करेंगे। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी एवं पृथ्वी विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. महाबीर सिंह नेगी ने बताया कि यह यात्रा 5 हप्पीह्म

-पर्यटन, परंपरा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क के मूल सिद्धांतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। डीन निवृत्ति प्रोफेसर मोहन सिंह पंवार ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि यात्रा के दौरान स्वच्छता के मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए और कहीं भी गंदगी न फैलाई जाए।

नंदप्रयाग—नंदानगर सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे, कब सुधरेगी राह



गोपेश्वर। शासन ने 15 अक्टूबर तक जिले की सड़कों को गड्ढामुक्त करने की समय सीमा तय की है, लेकिन नंदप्रयाग-नंदानगर सड़क के सुधारीकरण की फिलहाल कोई स्पष्ट समय सीमा तय नहीं है। 19 किलोमीटर लंबी इस सड़क के शुरुआती करीब चार किलोमीटर हिस्से को छोड़ दें तो लगभग 15

किलोमीटर सड़क बर्दहाल स्थिति में है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को सड़क पर चलना मुश्किल हो रहा है। स्थिति यह है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। नंदप्रयाग से नंदानगर तक आवाजाही करने वाले लोगों को रोजाना हिचकोले खाते हुए सफर करना पड़ रहा है। सड़क पर कई स्थानों पर उबड़-खाबड़ सतह और गड्ढों के कारण दुर्घटना का खतरा बना है। पिछले तीन साल से सड़क पर चौड़ीकरण और सुधारीकरण कार्य चल रहा है, जिन स्थानों पर चौड़ीकरण का काम पूरा हो चुका है, वहां भी सड़क की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। नंदानगर व्यापार संघ अध्यक्ष नंदन सिंह रावत ने बताया कि सेरा, तेफना और नंदानगर के समीप सड़क की हालत बेहद खराब है। लोगों को आए दिन पेशानी उठानी पड़ रही है।

एक नजर उत्तरौ गांव की 200 मीटर सड़क का मामला फिर उठा

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के उत्तरौ गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली करीब 200 मीटर सड़क का मामला एक बार फिर प्रशासन के सामने उठा है। सड़क की स्थिति को लेकर उपलब्ध अभिलेखों और विभागीय पत्राचार के बावजूद स्थिति साफ नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में पेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम से मुलाकात कर जांच कर अभिलेखों के आधार पर स्थिति साफ करने की मांग की। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के सामने सड़क से संबंधित उपलब्ध दस्तावेज और विभागीय पत्राचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह संपर्क मार्ग गांव के लिए महज 200 मीटर की सड़क नहीं बल्कि रोजमर्रा के आवागमन की महत्वपूर्ण कड़ी है। लंबे समय से मामला समाधान तक नहीं पहुंचने के कारण ग्रामीणों की समस्या बनी हुई है। ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीणों का उद्देश्य किसी व्यक्ति, कारस्थान अथवा विभाग के अधिकारों को प्रभावित करना नहीं है। उनकी मांग है कि सरकारी अभिलेखों और मौके की वास्तविक स्थिति का निष्पक्ष मिलान कर स्थिति स्पष्ट की जाए और इसके आधार पर सड़क की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

जर्जर बिजली पोल को साए में 25 छात्र

पुरेला। मोरी प्रखंड की ग्राम पंचायत सदृडी स्थित प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले 25 छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पर वर्षों से जंग लगा जर्जर विद्युत पोल खतरा बना है। विद्यालय के पास रास्ते में खड़ा पोल इतना जर्जर हो चुका है कि किसी भी समय गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि पोल हटाने को लेकर कई बार विद्युत विभाग को लिखित और मौखिक रूप से सूचना दी गई लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई। इधर, विद्यालय में बिजली आपूर्ति भी लंबे समय से ठप है। ग्राम प्रधान सुरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि विद्यालय में 25 बच्चे अध्ययनरत हैं।

छात्रों को साइबर सुरक्षा के बारे में दी जानकारी

पोखरी (चमोली)। थाना पोखरी पुलिस ने आईटीआई संस्थान में छात्रों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक किया। थानाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार पंत के नेतृत्व में पुलिस ने छात्रों को सचेत रहते हुए ठगी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा। पुलिस ने छात्रों को बताया कि अनजान कॉल, फर्जी कॉल, अनजान लिंक, यूपीआई फ्रॉड, फर्जी कस्टमर केयर, एपीके फाइल, नौकरी, लॉटरी, लोन आदि के नाम पर ठगी होना आम बात हो गई है, इनसे सावधान रहना चाहिए। इस दौरान अपर उपनिरीक्षक दलबीर सिंह, हेड कांस्टेबल, महेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल भरत सिंह, श्यामबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कुंजापुरी मेले की तैयारियों और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नरेन्द्रनगर (टिहरी)। नरेंद्रनगर में 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले मेले की तैयारियों और व्यवस्थाओं का डीएम नितिका खंडेलवाल और एसएसपी श्रवता चौबे ने निरीक्षण किया। उन्होंने मेले में श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। नरेंद्रनगर में आगामी 11 से 19 अक्टूबर तक संचालित होने वाले कुंजापुरी मेले की व्यवस्थाओं के निरीक्षण के दौरान डीएम और एसएसपी ने झंडरोहण स्थल, झांकियों के लिए निर्धारित जगहों, स्टील लाम्पे, मंच आदि जगहों वाले स्थानों का जायजा लिया। डीएम ने अधिकारियों से मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षित और सुव्यवस्थित माहौल उपलब्ध करने को कहा। मेले स्थल पर बिजली, पानी, साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के अधिकारियों निर्देश दिए।

पांच दिव्यागों का सहायक उपकरण हेतु पंजीकरण



जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : मंगलवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय थलीसैंण में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एवं सामाजिक कल्याण विभाग, जिला प्रशासन द्वारा वृद्धजनों एवं दिव्यांग जनों हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों एवं ह्यराष्ट्रीय

वयोश्री योजनाह्म के अंतर्गत दिव्यांग जनों को सहायक उपकरणों एवं कृत्रिम अंग वितरण हेतु चिन्हित किया गया।

शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वृद्ध जनों हेतु सहायक उपकरण के लिए 106 वृद्ध जनों का पंजीकरण किया गया। जिसमें से पांच दिव्यांगों का सहायक उपकरण हेतु पंजीकरण किया गया। यूडीआईडी हेतु कुल 24 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर से आए चिकित्सा अधिकारियों द्वारा 24 दिव्यांगों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए। शिविर में कुल 220 लोग उपस्थित रहे। शिविर में ब्लॉक प्रमुख थलीसैंण सुनीता रावत, कनिष्ठ प्रमुख राजेश्वर, खंड विकास अधिकारी टीकाम कोटियाल, सहायक समाज कल्याण अधिकारी शालिनी बलोदी, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम से श्रीकांत, ओम कुमार एवं चिकित्सा अधिकारियों की टीम उपस्थित रही।

टिहरी जिले में 4,66,638 हुई मतदाताओं की संख्या

नई टिहरी। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के संबंध में राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि एक जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर जिले की सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन तीन अक्टूबर 2026 को कर दिया गया है। जिले में 3010 मतदाता बढ़कर कुल मतदाताओं की संख्या 4,66,638 हो गई है। एडीएम शैलेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि 14 जुलाई 2026 को प्रकाशित प्रारूप निर्वाचक नामावली में टिहरी

जिले में कुल 4,63,628 मतदाता पंजीकृत थे। जबकि अंतिम प्रकाशन के बाद मतदाताओं की संख्या बढ़कर 4,66,638 हो गई है। इस प्रकार प्रारूप सूची की तुलना में अंतिम सूची में 3,010 मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

अंतिम सूची में 2,43,051 पुरुष और 2,23,583 महिला और चार तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र वार आंकड़ों के अनुसार घनसाली विधानसभा क्षेत्र में प्रारूप सूची में 85,081 मतदाता थे, जो अंतिम सूची में बढ़कर 86,346 हो गए हैं। इसी तरह देवगयाग में प्रारूप सूची में 75,437 मतदाताओं के सापेक्ष अंतिम सूची में 75,801 मतदाता हो गए हैं।

सीएचसी तो बना, सुविधाएं पीएचसी से भी बदतर

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधर ब्लॉक के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए 2012 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंडीसौड़ तो बना दिया गया लेकिन 14 साल बाद भी अस्पताल में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। थौलधर में स्वास्थ्य सुविधा की शुरुआत वर्ष 1957 में छाम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से हुई थी। वर्ष 2005 में टिहरी बांध की झील में छाम बाजार डूबने के बाद 2006 में कंडीसौड़ में 20 नाली भूमि पर अस्पताल का निर्माण कराया गया। वर्ष 2012 में इसका उच्चीकरण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया। अस्पताल परिसर के विस्तार के साथ डॉक्टरों के आवास के लिए

करोड़ों रुपये की लागत से भवन भी तैयार किए गए, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार नहीं हो पाया। सीएचसी में डॉक्टरों के 10 पद सृजित हैं, लेकिन वर्तमान में 7 डॉक्टर ही कार्यरत हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी का सीधा असर अस्पताल की ओपीडी पर भी दिखाई दे रहा है। यहां रोजाना ओपीडी 45 से 50 मरीजों के आसपास ही सीमित रहती है। वर्ष 2022 में विधायक निधि से दंत चिकित्सा के लिए लाखों रुपये की डेंटल चेयर और अन्य उपकरण खरीदे गए थे। दंत रोग डॉक्टर नहीं होने के कारण इनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। वहीं खनिज न्यास फाउंडेशन से वर्ष 2024-25 में लाखों रुपये की लागत से एक्सरे मशीन स्थापित की गई।

छूटे लोगों को उनकी परिसंपत्तियों का मिले मुआवजा

नैनबाग (टिहरी)। उप जिलाधिकारी अंशुल भट्ट ने लखवाड़ बांध प्रभावितों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना। प्रभावितों ने एसडीएम से छूटे लोगों को सूची में शामिल कर उनकी भूमि व अन्य परिसंपत्तियों का उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। नैनबाग लोनिवि अतिथि गृह में लखवाड़ बांध परियोजना प्रभावित समिति के अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने एसडीएम भट्ट को बताया कि बांध प्रभावितों को उनकी परिसंपत्तियों का उचित मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। कहा कि लखवाड़ परियोजना में लंबे समय जैसे व अन्य पद खाली पड़े हैं लेकिन परियोजना के निर्माण में लगी कार्यदायी संस्था पदों पर भर्ती शुरू नहीं कर रही है। कहा कि शीघ्र प्रभावितों की समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे। इस मौके पर महिपाल सिंह सजवाण, गंभीर सिंह रावत, शरण सिंह पंवार, अनिल पंवार, अर्जुन रावत, अनिल रावत आदि मौजूद थे।

चौबट्टाखाल में कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त का फूँका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चौबट्टाखाल में प्रदर्शन कर विरोध जताया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने लोगों के मताधिकार को प्रभावित करने का गंभीर अपराध किया है। कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के वोट का अधिकार सर्वोपरि है और किसी भी स्तर पर उसके साथ छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस नेता कवींद्र इष्टवाल ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने लोगों के वोट देने के अधिकार को छीनने का काम किया है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में देश को पीछे धकेलने का काम किया है। कांग्रेस नेता प्रेम बहुखंडी ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त पर सत्ता के प्रभाव में कानून के गलत इस्तेमाल के आरोप लग रहे हैं और कांग्रेस इस मामले में उनके इस्तीफे की मांग करती है।

प्रदर्शन में प्रदेश महासचिव कबीन्द्र इस्टवाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजा कंडारी, प्रदेश सचिव ब्लॉक अध्यक्ष कल्याण सिंह, बिजेंद्र सिंह, पुनम कैंतूरा, सुरेंद्र सिंह रावत, प्रदेश सचिव संतोष रावत, विष्णु रावत, नंद किशोर नौटियाल, सुधीर कोहली, राजकमल, अश्वनी धरमाना, सैन सिंह, दिनेश सुन्दरियाल, विमल रावत समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने देखी पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : वन्यजीवों एवं प्रकृति के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता और संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में वन्य प्राणी सप्ताह 2026 के अंतर्गत वर्ड वाचिंग एवं प्रकृति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम एसडीओ कालागढ़ टाइगर रिजर्व शिप्रा वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस मौके पर पक्षी विशेषज्ञ राजीव बिष्ट ने विद्यार्थियों को स्थानीय पक्षी प्रजातियों, उनके व्यवहार तथा पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने नटहई, कठफोड़वा, उल्लू, चर्डिट, फ्लाईकैचर तथा इंगल सहित विभिन्न पक्षियों को उनके प्राकृतिक आवास में देखा। बर्ड वॉचिंग के दौरान विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर से सेंट मैरी चर्च एवं भुल्ला ताल तक प्रकृति एवं पक्षियों के



अवलोकन हेतु भ्रमण विद्यार्थियों को मॉलिन बर्ड

कराया गया। माध्यम से पक्षियों की पहचान करने की आईडी ऐप के तकनीक से भी अवगत कराया गया। इस

गतिविधि ने विद्यार्थियों के सीखने को रोचक, ज्ञानवर्धक एवं अनुभवात्मक बनाया तथा उनमें प्रकृति के प्रति जिज्ञासा और संवेदनशीलता को बढ़ावा दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंदरियाल ने कालागढ़ टाइगर रिजर्व की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे अनुभवात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ उन्हें अपने प्राकृतिक परिवेश को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर में सहभागिता करने वाले 41 विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों को कार ने मारी टक्कर, एक घायल

कर्णप्रयाग। बीती देर रात बदरीनाथ से आ रही एक कार ने बदरीनाथ हवाई पर गांधीनगर में सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों को टक्कर मार दी जिसमें कार सवार युवक घायल हो गया। साथ ही किनारे खड़े तीन दोपहिया और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। दुकानदार अकील अहमद ने बताया कि रात को जोर की आवाज आने पर वो सड़क में आए तो एक कार चालक वाहनों को टक्कर मारकर भाग रहा था, ऐसे में उन्होंने क्षतिग्रस्त वाहन स्वामी को सूचना दी। पुलिस हेल्य नंबरों पर सूचना देकर टक्कर भरने वाले कार चालक को गैरचर से पकड़ लिया। इसमें एक युवक घायल था, जिसे उपचार के लिए कर्णप्रयाग अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सड़क पर पैच भरान जांचने पहुंचे एसडीएम

नैनबाग (टिहरी)। दिल्ली-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-507 पर नैनबाग क्षेत्र में चल रहे पैच भरान कार्य में मानकों की अनदेखी के सवाल उठने के बाद मंगलवार को धनोली के एसडीएम अंशुल भट्ट ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। सड़क के गड्ढों में पैच भरने के बाद दवान के लिए रोलर के बजाय ट्रक के इस्तेमाल को लेकर लोगों ने सवाल उठाए थे। इस मामले में बीते दिन राष्ट्रीय राजमार्ग के जेई एसपी तिवारी का कार्य की जानकारी नहीं होने की बात कही थी। वहीं, अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने मानकों के विपरीत कार्य मिलने पर उसे रुकवाकर निर्धारित मानकों के अनुसार दोबारा करने की बात

कही थी। मौके पर पहुंचे एसडीएम अंशुल भट्ट ने पैच भरान कार्य की गुणवत्ता, इस्तेमाल की जा रही सामग्री, दवान की प्रक्रिया और तकनीकी मानकों के पालन की जांच की। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण और पैच भरान का कार्य सीधे आमजन की सुरक्षा और सड़क की गुणवत्ता से जुड़ा है। इसमें किसी भी स्थिति में निर्धारित मानकों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देश दिए कि सड़क पर पैच भरान का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जाए। एसडीएम के निरीक्षण के बाद के विपरीत कार्य मिलने पर उसे पैचवर्क भरान कार्य की गुणवत्ता बेहतर होने की उम्मीद जगी है।

कब कटेगा दुश्चारियों का सफर, मोली और पैखोली के कंधों पर चढ़ाई का बोझ

कर्णप्रयाग विकासखंड के मोली और पैखोली सहित आस-पास के गांव सड़क सुविधा से नहीं जुड़ सके। इन गांवों की सड़कों गांव तक पहुंचने से पहले ही फाड़लों या पहाड़ियों के बीच दम तोड़ देती हैं। सड़क न होने की कीमत ग्रामीणों को अपनों की जान और रोजमर्रा की भारी मशकत से चुकानी पड़ती है। वर्ष 2023 में 6 किमी स्वीकृत सड़क में से लोनिवि ने पैखोली गांव के लिए चार किमी कटान कर काम अधूरा छोड़ दिया, जिससे 55 परिवारों को आज भी 7 किमी की सीधी खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। गंभीर बीमारी में मरीजों को डोली में लादकर अस्पताल ले जाना ग्रामीणों की नियति बन चुकी है, वहीं स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी यह सफर किसी परीक्षा से कम नहीं है। मोली, रेंवेटा, गनोली आदि गांवों के लिए



गैन-संजकटा सड़क भी लंबे समय से स्वीकृत है, लेकिन करीब ढाई किमी सड़क बनने के बाद अगे नहीं बन पाई है। पीएमपीएसवाई के ईई सचिन कुमार ने बताया कि दोनों सड़कों

की डीपीआर स्वीकृति के लिए भेजी गई है। 55 परिवारों की सांसों पर भारी आधी-अधूरी सड़क, डोली के भरसे जीवन पैखोली गांव में 4 किमी सड़क बनने के बाद भी गाड़ियों की आवाजाही ठप है। ग्रामीण आज भी कोर्ट से 7 किमी पैदल चलने को मजबूर हैं। बीमारी में डोली ही एकमात्र सहारा है। ग्राम प्रधान देवेन्द्र लाल और पूर्व कनिष्ठ

उपप्रमुख गौतम मिंगवाल का कहना है कि लोनिवि की लापरवाही से ग्रामीणों का दर्द कम नहीं हुआ। उन्होंने शेष सड़क का कटान पूरा कर तुरंत वाहन संचालन की मांग की है।

नगर पालिका पर व्यापारियों का उत्पीड़न करने का आरोप

नरेंद्रनगर (टिहरी)। तहसील दिवस में पहुंचे लोगों ने सड़क, आवाद, पेयजल, भवन प्रतिकर, पार्किंग और भूमि अभिलेख आदि समस्याएं उठाई गईं। डीएम नितिका खंडेलवाल ने कई शिकायतों का निस्तारण करते हुए अधिकारियों को अन्य समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। नरेंद्रनगर में आयोजित तहसील दिवस में ग्राम डैर निवासी वीरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि उन्हें आपदा से क्षतिग्रस्त भवन का मुआवजा नहीं मिल पाया है। राजेंद्र सिंह गुसाईं ने व्यापारियों की समस्याएं उठाते हुए नगर पालिका पर व्यापारियों का

उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। होशियार सिंह भंडारी ने कुंजापुरी मंदिर में बारिश से क्षतिग्रस्त पार्किंग बनाने की मांग की। चाका के रमेश कोटियाल ने खतोनी में नाम शुद्धीकरण का मामला रखा। सुरेंद्र सिंह पुंडेर ने ग्राम तलाई मोटर स्टोर का निर्माण जनभावनाओं के अनुरूप कराए जाने की मांग की। ग्राम सरलेश्वरी निवासी धनवीर भंडारी ने क्षतिग्रस्त प्राथमिक स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग की। ग्राम डैर के होशियार सिंह कैतूरा और विक्कम कैतूरा ने आपदा के कारण क्षतिग्रस्त रातूरा, पुलों और जर्जर स्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग की।

संक्षिप्त

समाचार

आव्रजन कार्रवाई के एक साल बाद लाओस का नागरिक रिहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई के तहत एसवातिनी भेजे गए लाओस के नागरिक फोन चोमसावन को रविवार को एक साल से अधिक समय बाद अधिकतम सुरक्षा वाली जेल से रिहा कर दिया गया। उनके वकील टिन थान गुयेन के अनुसार, चोमसावन को जुलाई 2025 में चार अन्य प्रवासियों के साथ एसवातिनी भेजा गया था, जबकि उनका इस अफ्रीकी देश से कोई संबंध नहीं था। उन्हें सैन्य मालवाहक विमान से वहां पहुंचाए जाने से कुछ समय पहले ही बताया गया था कि उन्हें एसवातिनी भेजा जा रहा है। वकील के मुताबिक, चोमसावन अब लाओस भेजे जा रहे हैं और एसवातिनी से निकलकर जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। पांचों प्रवासियों ने अमेरिका में गंभीर अपराधों की सजा पूरी कर ली थी। मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स फर्स्ट के अनुसार, तीसरे देश भेजने की इस योजना के तहत करीब 500 प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा अफ्रीकी देशों में भेजा गया है। एसवातिनी को 5.1 करोड़ डॉलर का भुगतान किया गया।

ईरान की दो-टूक, सात शर्तें पूरी हों तभी खुलेगा होर्मुज; गालिबाफ

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ जारी तनाव के बीच ईरान ने एक बार फिर होर्मुज को लेकर सख्त दिपण्णी की है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालिबाफ ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ जुन में हुए अंतरिम समझौते में तय सात शर्तें पूरी होने तक होर्मुज को दोबारा नहीं खोला जाएगा। गालिबाफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान को अपने कूटनीतिक प्रस्ताव पर वाशिगटन का जवाब मिले कुछ दिन हो चुके हैं। गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका सार्वजनिक रूप से कुछ और कहता है, जबकि हाल में उसने मध्यस्थ के जरिये प्रस्ताव भेजे हैं। अब प्रक्रिया को लंबा खींचने और एकतरफा मांगें थोपने का दौर खत्म हो चुका है। ईरान का रुख स्पष्ट है। इस्लामाबाद में हुए समझौते के आधार पर तय सात शर्तें पूरी होने के बाद ही होर्मुज को जहाजों की आवाजाही के लिए खोला जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलमार्ग में एक बार फिर मालवाहक जहाज को निशाना बनाया गया।

जोखिमों की अनदेखी पर ओपनएआई के सेफ्टी लीडर रॉबिन्सन का इस्तीफा

वाशिगटन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई के सेफ्टी सिस्टम्स टीम के प्रमुख डेविड रॉबिन्सन ने पद से इस्तीफा दे दिया है। रॉबिन्सन ने जाते-जाते कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस्तीफे के साथ ही एक लेख भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि एआई कंपनियां नई और शक्तिशाली तकनीकों को विकसित करने में बिल्कुल भी सावधानी नहीं बरत रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के मामले में गलतियां करके सीखने का दौर ख़त खत्म हो चुका है, क्योंकि अब एक छोटी सी विफलता भी विनाशकारी हो सकती है। रॉबिन्सन ने आरोप लगाया कि सिलिकॉन वैली और ओपनएआई में बिना सोचे-समझे केवल आगे बढ़ने का एक ‘अंधा आशावाद’ चल रहा, जो इस खतरनाक तकनीक के लिए एक असुरक्षित माहौल तैयार कर रहा है। रॉबिन्सन ने कहा कि जैसे-जैसे एआई एजेंट्स स्वायत्त हो रहे हैं, उनके लिए विमानन या परमाणु संयंत्रों जैसी सख्त और बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणालियां अपनाई जानी चाहिए।

श्रीलंका में राष्ट्रपति की माफ़ी रद्द होने के बाद बौद्ध भिक्षु को हिरासत में भेजा गया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की एक अदालत ने रविवार को बौद्ध भिक्षु गलामोडा अष्ठे ज्ञानसारा को हिरासत में भेज दिया। कई सप्ताह तक फरार रहने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी राष्ट्रपति से मिली माफ़ी रद्द किए जाने के करीब एक महीने बाद हुई। सिंहली-बौद्ध राष्ट्रवादी नेता और बौद्ध बाला सेना यानी फोर्सेज गण बुद्धिस्ट पावर के प्रमुख ज्ञानसारा को शनिवार रात गिरफ्तार किए जाने के बाद कोलंबो मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। [सितंबर में शीर्ष अदालत द्वारा उनकी 2019 की राष्ट्रपति माफ़ी को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बाद से वह अधिकारियों से बच रहे थे। 2018 में ज्ञानसारा को अदालत की अवमानना और राजनीतिक कार्टूनिस्ट प्रगीत एकनालिंगोडा की पत्नी संध्या एकनालिंगोडा को अपराधिक धमकी देने का दोषी ठहराया गया था।

ब्राजील चुनाव: पहले दौर में लूला से आगे रहे पलावियो बोल्सोनारो, 25 अक्टूबर को होगा दूसरा मुकाबला

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर में 98.81 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने तक बोल्सोनारो को 47.24 प्रतिशत वोट मिले, जबकि लूला को 44.91 प्रतिशत वोट हासिल हुए। पहले दौर में दक्षिणपंथी उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से आगे रहे। हालांकि, वह सीधे जीत के लिए जरूरी 50 प्रतिशत वोट हासिल नहीं कर सके। अब दोनों उम्मीदवारों के बीच 25 अक्टूबर को दूसरे दौर का मुकाबला होगा। ब्राजील की चुनाव व्यवस्था के मुताबिक, पहले दौर में जीतने के लिए किसी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल करना जरूरी है। दोनों में से कोई भी इस आंकड़े तक नहीं पहुंच सका, इसलिए अब दोनों दूसरे दौर में आमने-सामने होंगे। पहला दौर फ्लावियो बोल्सोनारो के लिए मजबूत प्रदर्शन माना जा रहा है। वह ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। पूर्व दक्षिणपंथी नेता जायर बोल्सोनारो पिछले चुनाव के नतीजे को सैन्य तख्तापलट के जरिए पलटने की नاکाम कोशिश की साजिश रचने के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 27 साल की जेल की सजा काट रहे हैं। पहले दौर का मुकाबला शुरू से ही करीबी रहने की उम्मीद थी। हालांकि, चुनाव प्रचार के दौरान ओपिनियन पोल में लूला मामूली बढ़त बनाए हुए थे। इसके बावजूद फ्लावियो बोल्सोनारो का प्रदर्शन उम्मीद से



बेहतर रहा और इससे दूसरे दौर से पहले ब्राजील की राजनीतिक तस्वीर काफी बदल गई है। पहले दौर के नतीजे बोल्सोनारो के लिए फायदेमंद भी साबित हो सकते हैं, क्योंकि दूसरे दौर में जगह नहीं बना पाने वाले कई उम्मीदवार दक्षिणपंथी खेमे से थे। अगर बोल्सोनारो इन उम्मीदवारों के समर्थकों का वोट अपने पक्ष में लाने में कामयाब रहते हैं, तो 25 अक्टूबर के मुकाबले में यह अहम साबित हो सकता है।

वहीं, लूला अब अपने मौजूदा वोटरों का समर्थन बनाए रखने के साथ-साथ उन लोगों को भी अपने पक्ष में लाने की कोशिश करेंगे, जिन्होंने पहले दौर में बाहर हो चुके उम्मीदवारों को वोट दिया था। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दक्षिणपंथी खेमे को ब्राजील की सत्ता में आने से रोकने की होगी। ब्राजील के चुनाव पर पूरे लैटिन अमेरिका की नजर है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र के कई देशों में दक्षिणपंथी नेता

जापान में बवाल: ओकिनावा में महिला की हत्या के आरोप में अमेरिकी मरीन गिरफ्तार

टोक्यो , एजेंसी। जापान के ओकिनावा में एक स्थानीय महिला की कथित हत्या और लूट के मामले में एक अमेरिकी मरीन को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद जापान में खसकर ओकिनावा के लोगों में भारी नाराजगी है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी को लेकर पहले से असंतोष के बीच इस घटना ने विवाद को और बढ़ा दिया है। ओकिनावा प्रीफेक्चरल पुलिस के मुताबिक, 20 वर्षीय अमेरिकी मरीन को शनिवार तड़के नाहा शहर के एक होटल में 39 वर्षीय महिला की हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया। आरोपी फुतेमा एयर स्टेशन पर तैनात है। उस पर महिला का बटुआ और बैकपैक ले जाने का भी आरोप है। जापानी समाचार एजेंसी क्योदो के अनुसार, महिला का शव होटल के कमरे में मिला। शुरुआती जांच में आशंका है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में आरोपी महिला के साथ होटल में प्रवेश करता दिखाई दिया। कुछ समय बाद वह अकेले होटल से

बाहर निकला। पुलिस ने बताया कि शनिवार देर रात नाहा के मनोरंजन क्षेत्र में आरोपी को अकेले घूमते हुए देखा गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ओकिनावा के नवनिर्वाचित गवर्नर जेंता कोजा ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस घटना से ओकिनावा के लोगों को बड़ा झटका लगा है और अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास रहने वाले लोगों में डर बढ़ गया है। उन्होंने अमेरिकी सैनिकों के अनुशासन और प्रशिक्षण पर भी सवाल उठाए। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने भी घटना को बेहद दुखद और गंभीर अपराध बताया। उन्होंने कहा कि जापान सरकार ने अमेरिकी पक्ष के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। साथ ही जांच में पूरा सहयोग देने, अमेरिकी सैनिकों पर कड़ा अनुशासन लागू करने और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने की मांग की गई है। विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने अमेरिकी राजदूत जॉर्ज ग्लास को तलब कर घटना पर जापान का आक्रोश जताया।

क्या साइबेरिया में फैला प्लेग ?: 28 साल की महिला रिसर्चर की मौत से उठे सवाल, 200 लोगों को किया गया क्वारंटीन

मास्को, एजेंसी। रूस के साइबेरिया इलाके में एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में कथित लैब हादसे के बाद एक महिला कर्मचारी की मौत ने चिंता बढ़ा दी है। घटना इस्कुत्स्क के पास शेलखोव स्थित एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की बताई जा रही है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि संक्रमण किस बीमारी या किस रोगाणु को है। रूस की सरकारी संस्था रोस्पोत्रेबनादजोर ने इसे ‘अज्ञात कारण वाली निमोनिया’ का मामला बताया है, जबकि एक स्थानीय अधिकारी ने आशंका जताई कि महिला की मौत प्लेग से हुई हो सकती है। लैब कर्मचारी की मौत के बाद शुरू हुई जांच रूसी सरकारी समाचार



इस साल 28 फरवरी से शुरू हुआ मौजूदा संघर्ष शामिल है। मैकगर्क ने कहा कि उनकी एक चिंता यह है कि हलिया संघर्ष की शुरुआत ऐसे मकसद से हुई, जिसमें सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य साफ तौर पर खुला रखा गया था। ‘एक बार जब आप इस रास्ते पर आगे बढ़ जाते हैं, तो फिर यह तय करना बहुत मुश्किल हो सकता है कि इस टकराव को आखिर खत्म कैसे किया जाए।’ मैकगर्क ने कहा कि उन्हें तब तक इस संघर्ष का कोई साफ अंत नजर नहीं आता, जब तक ईरान की राजनीतिक व्यवस्था अपने तौर-तरीकों और नीतियों में बड़ा बदलाव नहीं करती या फिर यह व्यवस्था किसी समय बिखर नहीं जाती। उन्होंने कहा,

‘लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति आने में अभी काफी समय लगेगा।’ फिलहाल मैकगर्क ने लंबे समय तक टकराव जारी रहने की संभावना जताई। ‘मुझे लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं, जो कुछ समय तक चलने वाला है। ईरान पर भी आर्थिक दबाव रहेगा। बीच-बीच में दोनों तरफ से सैन्य कार्रवाई हो सकती है। कभी-कभी कुछ समय के लिए सीजफायर या अंतरिम समझौते भी हो सकते हैं। मैकगर्क के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई बड़ा समझौता होना और भी मुश्किल नजर आता है। उन्होंने कहा कि तेहरान में फैसले लेने वाले अधिकारी शायद ईरान के परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंचने की स्थिति को अपने

लिए सबसे बड़ी सुरक्षा गारंटी के तौर पर देख रहे होंगे। उन्होंने कहा, ‘इसलिए परमाणु मुद्दे पर समझौता हासिल करना बेहद मुश्किल होने वाला है। मैकगर्क का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने अलग से कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के मामले में सैन्य और कूटनीतिक दोनों रास्ते खुले रखे हुए है। सीबीएस न्यूज के कार्यक्रम ‘फेस द नेशन’ में राइट से उन खबरों के बारे में पूछा गया, जिन्हें कहा गया है कि अमेरिका खाड़ी देशों में तेल से जुड़े ठिकानों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रक्षा उपकरण भेज रहा है और तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

रूस के ड्रोने हमलों के बीच कीव पहुंचे जर्मन चांसलर मर्ज: एक अरब यूरो की मदद का एलान

कीव, एजेंसी। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने रविवार को कहा कि जर्मनी को ड्राकर यूक्रेन के समर्थन से पीछे नहीं हटया जा सकता। उन्होंने कीव की यात्रा के दौरान यूक्रेन के लिए 1 अरब यूरो यानी करीब 1.1 अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य मदद का एलान किया। मर्ज की यह यात्रा ऐसे समय हुई, जब रूस ने कीव पर ड्रोने हमले किए। मर्ज और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने चार साल से जारी युद्ध में मारे गए सैनिकों के स्मारक का दौरा किया। इस दौरान यूक्रेन की राजधानी में बार-बार हवाई हमले के सायरन और धमाकों की आवाज सुनाई दी। दोनों नेता विज्ञान अकादमी भी गए। पिछले हफ्ते यहां हुए ड्रोने हमले में दो लोगों की मौत हुई थी। रूस ने हाल के हफ्तों में कीव और यूक्रेन के दूसरे शहरों पर ड्रोने हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों में दूरसंचार, बिजली और परिवहन ढांचे के साथ-साथ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। जेलेंस्की के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मर्ज ने कहा कि मास्को यूक्रेन के लोगों का हैसला तोड़ने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र की मरम्मत के लिए 350 मिलियन यूरो की मदद का भी एलान किया। मर्ज ने कहा कि जर्मनी यूक्रेन का सबसे मजबूत समर्थक बना हुआ है।

मर्ज ने कहा, हम ऐसा सिर्फ यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए नहीं कर रहे हैं। हम यह अपने हित में भी कर रहे हैं, क्योंकि यह यूरोप की सुरक्षा का मामला है। उन्होंने कहा कि रूस साइबर हमले और दुश्चरार अभियान चला रहा है। ये हमले यूरोप की लोकतांत्रिक व्यवस्था को निशाना बना रहे हैं। मर्ज ने कहा, यह दिखाता है कि हम डरने वाले नहीं हैं। रूस ने हाइब्रिड युद्ध के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। रूस का कहना है कि ये आरोप रूस विरोधी उन्माद का नतीजा हैं। अधिकारियों ने बताया कि मर्ज के साथ जर्मनी की कंपनियों के अधिकारी भी यूक्रेन गए थे। इन अधिकारियों ने यूक्रेन सरकार और कारोबारों के साथ 16 समझौते किए। इन समझौतों की कुल कीमत करीब 6.5 अरब यूरो है। इनमें यूक्रेन ने जर्मनी की कंपनी डील डिफेंस के साथ आईआरआईएस-टी एयर डिफेंस मिसाइलों की आपूर्ति का समझौता किया। इसके अलावा, हेंसोल्स्ट के साथ रडार उपकरण और क्वांटम सिस्टम्स के साथ जेट ड्रोने इंटरसेप्टर की आपूर्ति का समझौता हुआ। जेलेंस्की ने क्वांटम सिस्टम्स की ओर से बनाए गए नए जेट ड्रोने इंटरसेप्टर की तारीफ की। इसका नाम एसपीवाइएस बताया गया है। उन्होंने कहा कि इसके नतीजे उम्मीद के मुताबिक अच्छे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और जर्मनी एक बड़े रक्षा समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। उन्होंने पहले कहा था कि इस समझौते में ड्रोने, मिसाइल और उनसे जुड़े सॉफ्टवेयर का उत्पादन शामिल होगा। गर्मियों से रूस हर दिन यूक्रेन के नागरिक और सैन्य ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों में दर्जनों तेज रफ्तार जेट इंजन वाले ड्रोने इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

ट्रम्प के कामकाज से 70% अमेरिकी संतुष्ट नहीं: मिडटर्म चुनाव हार सकते हैं ट्रम्प

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बगावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके ‘अमेरिका फर्स्ट’ एजेंडे का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं। एपी-एनओआरसी सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 30% अमेरिकी ट्रम्प के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रवृत्त रेटिंग 26% है। महंगाई से निपटने के मामले में यह स्तर सिर्फ 17% है। 65% से ज्यादा अमेरिकी बढ़ती कीमतों के लिए ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मानते हैं।

ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ कई रिपब्लिकंस : आयोगा से



सांसद और सीनेट उम्मीदवार एश्ले हिंसन और मिशिगन के सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स ने ईरान युद्ध जल्द खत्म करने की मांग की है। दोनों पहले ट्रम्प की सैन्य कार्रवाई के समर्थक थे। आयोगा के सांसद जैक नन और मैरियानेट मिलर-मीक्स ने ट्रम्प की युद्ध शक्तियां सीमित करने के लिए डेमोक्रेट्स के साथ वोट किया। फ्लोरिडा की सांसद माइरा ने ट्रम्प की सख्त इमिग्रेशन नीति पर सवाल उठाए हैं। कई उम्मीदवारों ने कहा है कि वे ट्रम्प का प्रचार नहीं चाहते। रिपब्लिकन उम्मीदवारों के बचेनी के पीछे सबसे बड़ा कारण

अर्थव्यवस्था है। 24 से 28 सितंबर के एपी-एनओआरसी सर्वे में केवल 17% अमेरिकियों ने कहा कि वे ट्रम्प के जीवनयापन की लागत संभालने के तरीके से संतुष्ट हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रवृत्त रेटिंग सिर्फ 26% रही, जबकि कुल कामकाज से 10 में केवल 3 अमेरिकी ही संतुष्ट हैं। 65% से ज्यादा अमेरिकी लगातार ऊंची कीमतों के लिए सीधे ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मान रहे हैं। 64% का कहना है कि टैरिफ के मामले में ट्रम्प ज़रूरत से ज्यादा आगे चले गए। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए दिक्कत यह है

इसाइली सेना की कार्रवाई: युद्धविराम के बीच खान यूनिस में हमला, हमास के कमांडर समेत दो लड़के ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार (स्थानीय समय) को कहा कि उसने गाजा पट्टी के खान यूनिस इलाके में अलग-अलग हमलों में हमास की मिलिट्री विंग के एक कमांडर और गुप्त की ऑब्जर्वेशन यूनिट के एक लड़के को मार गिराया।

टेलीग्राफ पर एक बयान में, आईडीएफ ने कहा कि उसने रविवार को पहले खान यूनिस इलाके में हमला किया। हमास की मिलिट्री विंग के कमांडर मुआद जमाल अबू नुसेरा को मार गिराया। इसमें कहा गया है कि शनिवार को एक अलग हमले में, उसने महमूद इब्राहिम डिव अलयान को मार गिराया, जिसे उसने हमास की ऑब्जर्वेशन यूनिट का लड़का बताया। आईडीएफ के अनुसार,अलयान की पहचान हाल ही में ‘येलो लाइन’ इलाके में आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ गतिविधियों को आगे बढ़ाने और हमास की क्षमताओं को बहाल करने के लिए काम करने वाले व्यक्ति के तौर पर हुई थी। आईडीएफ ने कहा कि यह युद्धविराम समझौते का व्यवस्थित उल्लंघन था।

आईडीएफ ने कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कदम उठाए गए थे, जिसमें सटीक हथियारों और हवाई निगरानी का इस्तेमाल शामिल था।आईडीएफ ने आगे कहा कि समझौते के अनुसार दक्षिणी कमान के तहत सैनिक इलाके में तैनात हैं और वे उन खबरों के खिलाफ अभियान जारी रखेंगे जिन्हें उसने ‘तत्काल खतरे’ बताया है। आईडीएफ ने क्या आरोप लगाया? इससे पहले, आईडीएफ ने कहा कि उसने खान यूनिस इलाके

और दुश्चरार अभियान चला रहा है। ये हमले यूरोप की लोकतांत्रिक व्यवस्था को निशाना बना रहे हैं। मर्ज ने कहा, यह दिखाता है कि हम डरने वाले नहीं हैं। रूस ने हाइब्रिड युद्ध के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। रूस का कहना है कि ये आरोप रूस विरोधी उन्माद का नतीजा हैं। अधिकारियों ने बताया कि मर्ज के साथ जर्मनी की कंपनियों के अधिकारी भी यूक्रेन गए थे। इन अधिकारियों ने यूक्रेन सरकार और कारोबारों के साथ 16 समझौते किए। इन समझौतों की कुल कीमत करीब 6.5 अरब यूरो है। इनमें यूक्रेन ने जर्मनी की कंपनी डील डिफेंस के साथ आईआरआईएस-टी एयर डिफेंस मिसाइलों की आपूर्ति का समझौता किया। इसके अलावा, हेंसोल्स्ट के साथ रडार उपकरण और क्वांटम सिस्टम्स के साथ जेट ड्रोने इंटरसेप्टर की आपूर्ति का समझौता हुआ। जेलेंस्की ने क्वांटम सिस्टम्स की ओर से बनाए गए नए जेट ड्रोने इंटरसेप्टर की तारीफ की। इसका नाम एसपीवाइएस बताया गया है। उन्होंने कहा कि इसके नतीजे उम्मीद के मुताबिक अच्छे रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन और जर्मनी एक बड़े रक्षा समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। उन्होंने पहले कहा था कि इस समझौते में ड्रोने, मिसाइल और उनसे जुड़े सॉफ्टवेयर का उत्पादन शामिल होगा। गर्मियों से रूस हर दिन यूक्रेन के नागरिक और सैन्य ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों में दर्जनों तेज रफ्तार जेट इंजन वाले ड्रोने इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

इसाइली सेना की कार्रवाई: युद्धविराम के बीच खान यूनिस में हमला, हमास के कमांडर समेत दो लड़के ढेर



म भी हमला किया और सार्क नबील मूसा कैसी को मार गिराया, जिसे उसने हमास का नुखबा लड़का बताया। आईडीएफ ने कहा कि कैसी 7 अक्टूबर के नरसंहार के दौरान इस्राइली इलाके में घुस आया था। इसके साथ ही आरोप लगाया कि वह तुर्की संगठन ‘डेनजिन फेनेरी’ का डायरेक्टर भी था, जो खुद को मानवीय सहायता संगठन बताता है। लेकिन असल में हमास लड़के संगठन के सीनियर नेताओं और तुर्की नेतृत्व के कुछ लोगों के साथ संबंध रखता है। आईडीएफ ने आगे आरोप लगाया कैसी, ‘संगठन में अपनी भूमिका के तहत, वह लड़के नियमित रूप से कई लड़कों को काम पर रखने और हमास के लड़के को आर्थिक मदद देने का काम करता था। संगठन और उसके वरिष्ठ नेता अपनी गतिविधियों को मानवीय प्रयासों के तौर पर पेश करते हैं, लेकिन असल में वे हमास लड़के संगठन की मदद के लिए फंड जुटाने को बढ़ावा देते हैं।’ आईडीएफ ने इस कथित गतिविधि को हमास की सैन्य गतिविधियों में मदद के लिए मानवीय क्षेत्र का गलत इस्तेमाल बताया। आईडीएफ ने कहा कि कैसी ने युद्ध के दौरान उसके सैनिकों और इस्राइली नागरिकों के खिलाफ गतिविधियां तेज की थीं। हमास की क्षमताओं को फिर से बनाने का काम किया था।



बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्प्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम

जॉब करते हैं, वहां पर कम्प्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्प्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्प्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्प्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल

टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्रत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉई हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर -

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्प्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंज्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।



इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तक कि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्रतें तो आएंगी ही।

दिक्रतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होता है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।



हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं हैं और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

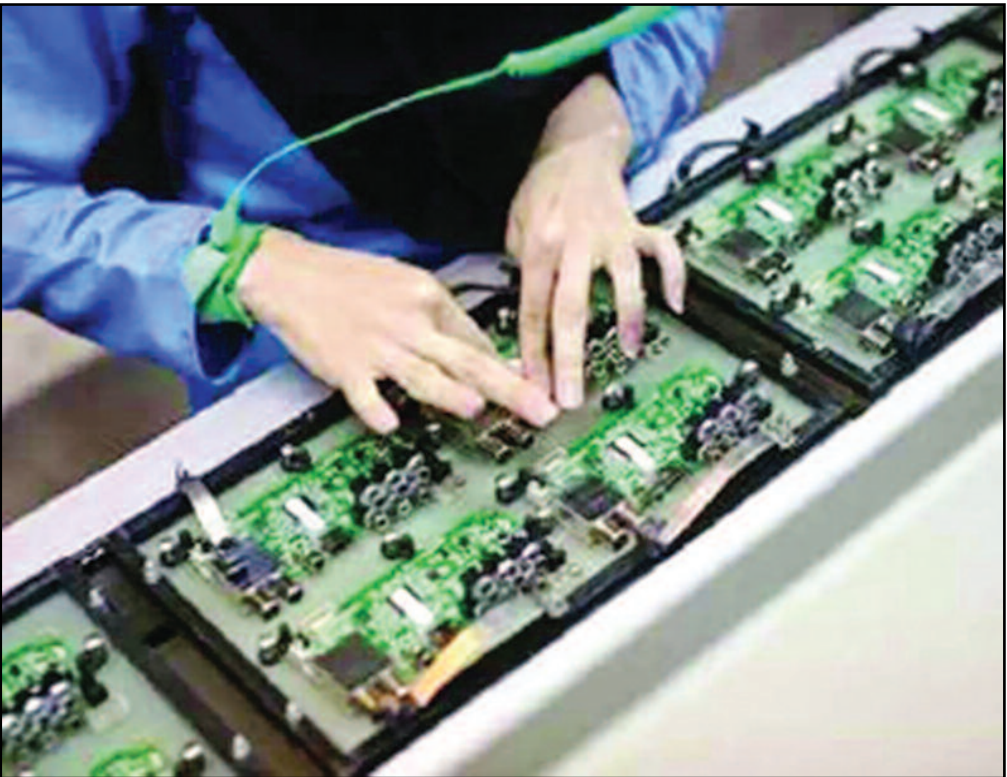
जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशियन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिस्टमिंटि

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिव कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वेन (वाइड एरिया नेटवर्क) से

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारु रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।



स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हो, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डेटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंटरनेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

मुख्यमंत्री धामी बोले—यह प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गौरव की उपलब्धि

उत्तराखंड बना देश का छठवां पूर्ण साक्षर राज्य

देहरादून। उत्तराखंड ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए देश के छठवें पूर्ण साक्षर राज्य का गौरव प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई दी और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने वाले नव-साक्षरों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि शिक्षकों, विद्यार्थियों, नव-साक्षरों, स्वयंसेवकों और अभियान से जुड़े सभी लोगों की मेहनत एवं सामूहिक सहभागिता का परिणाम है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों और दूरस्थ क्षेत्रों वाले उत्तराखंड में पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य



हासिल करना प्रदेशवासियों की हृदयङ्कशकित का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम के बाद उत्तराखंड देश का छठवां पूर्ण साक्षर राज्य बना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और उल्लस-नव भारत

साक्षरता कार्यक्रम के तहत राज्य ने यह उपलब्धि हासिल की है। **साक्षरता मंजिल नहीं, नई शुरुआत** मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ना-लिखना या हस्ताक्षर करना नहीं है। वर्तमान समय में

डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता, अधिकारों एवं कर्तव्यों की समझ और जीवनोपयोगी कौशल भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ण साक्षरता को अंतिम मंजिल न मानकर अब इसे नई शुरुआत के रूप में लिया जाना चाहिए। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक बदलती तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चले और उसका उपयोग अपने जीवन को बेहतर बनाने में करे।

शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश के 500 विद्यालयों में वचुंअल क्लासरूम और सेंट्रल स्टूडियो की व्यवस्था की जा रही है।

मौसम हुआ खराब, अगस्त्यमुनि खेल मैदान में हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग



रुद्रप्रयाग में बारिश के बीच घनी धुंध छाने से मंगलवार को चारधाम यात्रा पर जा रहे हिमालय सर्विसेस के हेलीकॉप्टर की अगस्त्यमुनि खेल मैदान में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। हेलीकॉप्टर उत्तरकाशी से सेरसी हेलीपैड होते हुए केदारनाथ के

लिए उड़ान पर था। मौसम खराब होने और दृश्यता कम होने पर पायलट कर्नल विक्त्रम सिंह ने सुरक्षा को देखते हुए अगस्त्यमुनि में हेलीकॉप्टर उतार दिया। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत सात लोग सवार थे। हेलीकॉप्टर के मैदान में उतरने की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मौसम खराब रहने के कारण हेलीकॉप्टर काफी देर तक मैदान में खड़ा रहा।

पायलट कर्नल विक्त्रम सिंह ने बताया

कि बारिश के साथ धुंध के कारण उड़ान भरना

सुरक्षित नहीं था। मौसम खुलने और दृश्यता बेहतर

होने के बाद हेलीकॉप्टर ने दोबारा उड़ान भरी और

केदारनाथ के लिए रवाना हो गया। हेलीकॉप्टर में

सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाइपलाइन और केबल से घिरी सड़क दुर्घटना का खतरा बढ़ा

थलुड़ (टिहरी)। थलुड़-ककड़ मोटर मार्ग पर सिंवांधार के समीप सड़क पर फैली जल संस्थाना की पेयजल पाइप लाइन और जियो कंपनी की केबल से सड़क संकरी हो गई है। ढालदार हिस्से में पाइपलाइन और केबल के कारण सड़क की चौड़ाई करीब डेढ़ से दो फीट तक कम हो गई है। इससे दुर्घटना का खतरा बनाहै। उक्त स्थान पर कई बार दौपहिया वाहन सवार फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के एक हिस्से में पाइपलाइन और केबल बेतरतीब ढंग से फैली होने से वाहनों को निकलने के लिए कम जगह मिल रही है। ढालदार सड़क होने के कारण स्थिति जोखिम भरी बनी हुई है। यदि पाइपलाइन और केबल को सड़क से हटया जाए तो इस हिस्से में डेढ़ से दो फीट तक अतिरिक्त जगह मिल सकती है।वाहनों आवागमन सुगम हो सकता है। पूर्व बीडीसी सदस्य सोमवारी लाल नौटियाल, बीडीसी सदस्य अनीश कुमार, ग्राम प्रधान कुलबीर रावत, शांति प्रसाद गौड़ ने लीनिवि से जल संस्थान और जियो कंपनी को नोटिस देने के साथ ही मौके पर मुनादी करके की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क लोगों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। ऐसे स्थान पर पाइपलाइन और केबल फैलाकर सड़क को संकरा करना दुर्घटना को न्योता दे रहा है। संबंधित विभागों को तत्काल इन्हें हटकर सड़क को व्यवस्थित करना चाहिए।

सीवर लाइन खुदाई से पहले जनता को देनी होगी सूचना

ऋषिकेश। नगर निगम क्षेत्र में चल रहे सीवर लाइन कार्य का मेयर शंभू पासवान ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मेयर ने सड़क खुदाई से आमजन को हो रही परेशानी को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए।

मेयर ने कहा कि किसी भी स्थान पर सड़क की खुदाई करने से पहले स्थानीय लोगों को अनिवार्य रूप से इसकी सूचना दी जाए ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी कार्य की निर्वमित निगरानी करें और निर्माण में तय मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रदेश में 20 हजार शिक्षकों की नौकरी पर संकट

देहरादून। उत्तराखंड में करीब 20 हजार शिक्षकों की नौकरी पर संकट मंडरा रहा है। विशेष टीईटी से संबंधित मुख्यमंत्री के निर्देश और प्रमुख सचिव के आदेश के बाद भी विभाग की ओर से अभी कोई रास्ता नहीं निकाला जा सका है। शिक्षा सचिव ज्योति यादव के मुताबिक मामले में यूपी का विशेष टीईटी आदेश मंगा लिया गया है। जिसका परीक्षण किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा एक से आठवीं तक के सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किया है। 31 अगस्त 2028 तक टीईटी न कर पाने वाले शिक्षकों की सेवाएं समाप्त की जाएंगी। वहीं, इस तरह के शिक्षकों की इस दौरान पदोन्नति भी नहीं हो जाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक करीब 12 हजार शिक्षक प्रारंभिक शिक्षा में हैं। जो टीईटी नहीं हैं, जबकि माध्यमिक शिक्षा में इस तरह के शिक्षकों की संख्या करीब सात से आठ हजार है। हजारों शिक्षकों की निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी हालांकि इसमें करीब पांच हजार शिक्षकों की आयु 55 साल या फिर इससे अधिक है, लेकिन इन्हें पदोन्नति के लिए टीईटी करना अनिवार्य है। उत्तराखंड में शिक्षक टीईटी से मुक्त रखने या फिर यूपी की तर्ज पर विशेष टीईटी कराने की मांग कर रहे हैं। इस मामले में शिक्षकों के मुख्यमंत्री से मिलने के बाद सीएम ने प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

अनुसूचित जाति के बालकों के लिए वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर

अगस्त्यमुनि। सेवा संकल्प अभियान के तहत स्पेशल कपोनेट प्लान में अनुसूचित जाति के अंडर-18 आयु वर्ग के बालकों के लिए सात दिवसीय विशेष वॉलीबाल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तरीय चयन एवं ट्रायल 10 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम में होंगे। परीक्षण के आधार पर 24 बालकों का चयन शिविर के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण अवधि में सभी प्रकार की सुविधा दी जाएगी। विभाग ने ट्रायल में शामिल होने वाले बालकों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र और एक पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो लाना अनिवार्य किया है। अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध न होने पर संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य का प्रमाणित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है।

यू—ट्यूबर अनुराग डोभाल समेत चार हिरासत में

देहरादून। हरिद्वार बायपास रोड स्थित नेक्सा शोरूम के पास सार्वजनिक स्थान पर मारपीट और हंगामे की सूचना पर नेहरू कॉलोनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यू—ट्यूबर अनुराग डोभाल समेत चार लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपितों द्वारा एक व्यक्ति के साथ मारपीट करते हुए शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया जा रहा था। पुलिस को 5 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कुछ युवक आपस में झगड़ा कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर बाईपास चौकी पर लाया। पुलिस के मुताबिक, चौकी पर भी अनुराग डोभाल, अभिषेक, अभय चौधरी और कुबीन दूसरे पक्ष के राज सिंह चौहान से दोबारा झगड़ने पर उत्तारू हो गए। स्थिति बिगड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल



बुलाया गया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चारों को धारा 170 इटर के तहत हिरासत में लिया गया। मारपीट में घायल राज सिंह चौहान को मेडिकल परीक्षण के लिए दून अस्पताल भेजा गया। पुलिस के अनुसार, राज

सिंह की तहरीर के आधार पर अनुराग डोभाल और अन्य के विरुद्ध थाना नेहरू कॉलोनी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आगे की विवेचनात्मक कार्रवाई जारी है।

सरस मेले में दिखी उत्तराखंड की पारंपरिक कला की झलक

देहरादून। रैजस ग्राउंड में सरस मेले का आयोजन किया गया है। इसमें उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से स्वयं सहायता समूह अपने स्थानीय उत्पाद और हस्तशिल्प लेकर पहुंचे हैं। मेले का उद्देश्य पारंपरिक कला और उत्पादों को बाजार उपलब्ध करना है। मंगलवार को दिन में कृषि विभाग के विभागीय कार्यक्रम की गोष्ठी का आयोजन किया गया। वहीं शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। इसमें हेमंत सिंह डावन की ओर से गजल और भजन प्रस्तुत किए गए। साथ ही स्थानीय बैंड ने पॉप और रैप का प्रदर्शन किया जबकि नरेश वादशाह ने पहाड़ी गीत गाए की। इस दौरान कई स्टॉल पर उत्तराखंड की पारंपरिक ऐपण कला को नए तरीके से पेश किया गया।

योग नगरी रेलवे स्टेशन पर चला विशेष स्वच्छता अभियान



ऋषिकेश। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल की ओर से योग नगरी रेलवे स्टेशन पर विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और रेलवे ट्रैकों की सफाई की गई। अभियान के तहत रेलवे के अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों की टीम ने मिलकर ट्रैक पर कूड़े-कचरे को हटाया और परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेल परिसर में स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाना और यात्रियों को एक स्वच्छ वातावरण प्रदान करना है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, स्वच्छता पखवाड़ा केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह स्वच्छ रेल और जागरूक यात्री की दिशा में एक ठोस कदम है। अभियान के दौरान स्टेशन पर मौजूद यात्रियों को भी स्वच्छता बनाए रखने और कूड़ा केवल डस्टबिन में ही डालने के लिए प्रेरित किया गया।

हाउस ऑफ हिमालयाज उत्पादों की बिक्री आंकड़ा छह करोड़ के पार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों उद्घाटन से मिली मजबूत ब्रांडिंग

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले स्थानीय उत्पादों को देश-दुनिया के बाजार तक पहुंचाने की पहल अब मजबूत कारोबारी मॉडल में बदल रही है। उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं के मेहनत से तैयार अंग्रेला ब्रांड ‘हाउस ऑफ हिमालयाज’ ने अपनी शुरुआत के बाद से अब तक करीब 6 करोड़ रुपए का कारोबार दर्ज कर लिया है। हाउस ऑफ हिमालयाज की शुरुआत को राष्ट्रीय पहचान तब मिली, जब दिसंबर 2023 में देहरादून में आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इस ब्रांड का विमोचन किया। प्रधानमंत्री ने इसे ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘लोकल फॉर ग्लोबल’ की अवधारणा को आगे बढ़ाने वाला प्रयास बताया। ब्रांड के तहत उत्तराखंड की स्थानीय पहचान से जुड़े उत्पादों को आधुनिक पैकेजिंग, बेहतर गुणवत्ता और एकीकृत ब्रांडिंग के साथ बाजार में उतारा जा गया है। वर्तमान में 60 विशिष्ट उत्पादों सहित कुल 83 उत्पादों को इस ब्रांड में शामिल किया गया है। इनमें पहाड़ी दालें, अनाज,

मसाले, शहद, तेल, हर्बल और पर्सनल केयर उत्पादों के साथ हस्तशिल्प जैसी श्रेणियां शामिल हैं। आधिकारिक ब्रांड वेबसाइट पर भी मिलेट्स, दालों, चावल, तेल-घी, मसाले, शहद, हर्बल उत्पाद, बेकरी, पर्सनल केयर और हस्तशिल्प जैसी श्रेणियां उपलब्ध कराई गई हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसका महिला-केंद्रित आजीविका मॉडल है। 55 क्लस्टर लेवल फेडरेशन से जुड़ी करीब 5,500 प्रत्यक्ष महिला लाभार्थी इस ब्रांड की आर्थिक गतिविधियों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। यानी पहाड़ में तैयार होने वाले उत्पादों को बाजार मिलने के साथ ही उसका सीधा लाभ ग्रामीण महिलाओं तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हाउस ऑफ हिमालयाज उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल से ग्लोबल के विजन के अनुरूप इस ब्रांड के माध्यम से प्रदेश की मातृशक्ति, किसान और ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध करवाया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड के गांवों में तैयार होने वाले उत्पादों को वैश्विक बाजार मिले और इसका सीधा लाभ हमारे महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों की आर्थिकी को मिले।

नशा तस्करी पर दून पुलिस की बड़ी कार्रवाई



हुए थे। उनका उद्देश्य नशे के आदी स्थानीय लोगों को मादक पदार्थ छोटी-छोटी मात्रा में उन्हे दामों पर बेचकर मुनाफा कमाना था। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में

एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई और मादक पदार्थों की सप्लाइ से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

रोडवेज कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

ऋषिकेश। रोडवेज कर्मचारियों ने तीन माह के बकाया वेतन, महंगाई भत्ता और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाया को लेकर का संचालन ठप कर सड़कों पर उतरेंगे। रोडवेज कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से कुछ बसों को संचालन प्रभावित होगा। रोडवेज के स्थानी, संविदा और विशेष श्रेणी के कर्मचारियों को तीन माह का वेतन नहीं मिला है। उत्तराखंड रोडवेज इंप्लाइन यूनियन के ऋषिकेश शाखा अध्यक्ष निर्मल सिंह रंगड़ ने कहा कि वेतन भुगतान न किए जाने से कर्मचारियों

के सामने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि रोडवेज अधिकारियों और से केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं। वेतन न मिलने से कर्मचारी अपने बच्चों की फीस, बीमा की किस्त भी जमा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही वेतन जारी नहीं होता है तो 11 और 12 अक्टूबर को आरपार की लड़ाई का एलान किया जाएगा। रोडवेज के बस चालकों ने बताया कि वेतन के साथ ही एक साल कर्मचारियों को महंगाई भत्ता नहीं दिया जा रहा है। चालकों ने बताया कि बसों की मरम्मत के लिए मुख्यालय से पाटर्स न आने से कई बसों की मरम्मत नहीं हो पा रही है।

सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन



उखीमठ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को मुख्य बाजार में प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर

जाना चाहिए तथा देश में मतदान बलेट पेपर के माध्यम से कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

बदला मौसम: हुई झमाझम बारिश, पर्वतीय इलाकों में कड़ाके की ठंड

देहरादून।प्रदेश में पोस्ट मानसून बारिश का दौर शुरू होने के साथ ही मौसम का मिजाज बदलने लगा है। देहरादून में देर शाम मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। अगले कुछ दिनों में पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के तेज दौर के चलते तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इसका असर मैदानी इलाकों में भी दिखाई देगा। बारिश के बाद मौसम में ठंडक बढ़ने से लोगों को इस बार अक्टूबर में ही गुलाबी ठंड के बजाय कड़ाके की ठंड का अहसास हो सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 12 अक्टूबर तक प्रदेश के कई इलाकों

में बारिश के तेज दौर देखने को मिल सकते हैं। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता अधिक रहने की संभावना है। उन्वाई वाले इलाकों में बारिश के साथ ठंड तेजी से बढ़ सकती है। इसका असर मैदानी क्षेत्रों के तापमान पर भी पड़ेगा। मंगलवार को भी दोपहर बाद प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तेज बारिश हुई। देहरादून में भी बारिश के चलते अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री के साथ सामान्य रहा। बारिश की बात करें तो सुबह साढ़े आठ से शाम साढ़े पांच बजे तक सहस्रभार में सबसे अधिक 47.5 एमएम बारिश दर्ज की गई।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 354697/79

संक्षिप्त

समाचार

हंगकांगसिक्स

भारत की 7 सदस्यीय टीम घोषित, भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे कमान

हंगकांग । हंगकांग सिक्स 2026 के लिए भारतीय टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के स्टार खिलाड़ियों के साथ उतरेगी। इसमें सात प्रमुख भारतीय क्रिकेटर 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाने वाले तेजतर्रार ‘सिक्स-ए-साइड’ (छह खिलाड़ियों वाले) फॉर्मेट में हिस्सा लेंगे। टिन ववांग



रोड रिक्रिेशन ग्राउंड पर खेले जाने वाली इस टीम में भारतीय टीम की कमान अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। उनके साथ आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी कृणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितिश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन भी होंगे। भुवनेश्वर के पास अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल का कई वर्षों का अनुभव है और वे नई गेंद से असरदार प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं, जबकि कृणाल एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर टीम को विविधता देते हैं।

नीली जर्सी का दबाव बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर देता है: प्रियांश आर्य

नई दिल्ली । युवा सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाले वनडे मैचों की तैयारी के दौरान इंडिया ए के साथ अपने समय को याद किया। उन्होंने इंडिया ‘ए’ के लिए खेलने का अनुभव मजेदार बताया। उन्होंने कहा कि दबाव में शानदार प्रदर्शन का अवसर भी होता है। प्रियांश ने पिछले साल कानपुर में



ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 101 रन बनाए थे और लिस्ट ए क्रिकेट में उनके नाम पाँच और अर्धशतक हैं। आर्य ने दिल्ली में मीडिया से कहा, ‘ इंडिया ए के लिए खेलना बहुत मजेदार है। नीली जर्सी पहनना गर्व की बात है। मुझे पिछले साल इंडिया ए के लिए सेंचुरी बनाकर बहुत अच्छा लगा। जब आप किसी भी स्तर पर देश के लिए खेलते हैं तो आप पर थोड़ा दबाव होता है।

यूथ टेस्ट

तन्मय ने सिर्फ 32 रन देकर इटके 6 विकेट, ऑस्ट्रेलियाई पारी 174 रन पर ढेर

अहमदाबाद। भारत और ऑस्ट्रेलिया की अंडर - 19 टीमों के बीच सोमवार से टेस्ट सीरीज के दूसरे और अंतिम अनौपचारिक मैच की शुरुआत हो गई है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी इस मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 174 रन पर समेटने के बाद भारत ने 2 विकेट खोकर 38 रन बना लिए हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 73 ओवरों का सामना कर सकी। इस टीम ने महज 7 के स्कोर पर कप्तान मैथ्यू लोफ



(5) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद नील पटेल ने मोर्चा संभाला। नील ने हेडन बारबुलोविक के साथ दूसरे विकेट के लिए 21 रन, जबकि एली ब्रेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन जोड़कर टीम को 50 के स्कोर तक पहुंचाया। हेडन ने टीम के खते में 8 रन का योगदान दिया, जबकि एली 4 रन बनाकर आउट हुए।

हरमन ने छोड़ी कप्तानी

कहा—बतौर खिलाड़ी सफर जारी रहेगा

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्व कप 2025 का चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के माध्यम से हरमन ने टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। बतौर खिलाड़ी वह उपलब्ध रहेंगी। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने का फैसला उपकप्तान स्मृति मंधाना, हेड कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के साथ हुई बैठक के बाद लिया। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत की जगह महिला टीम की नई कप्तान बन सकती हैं। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ‘आज, मैं सभी फॉर्मेट में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूँ। यह कोई आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल हैं, जो मेरी बाकी जिंदगी मेरे साथ रहेंगे। ‘

उन्होंने लिखा, ‘मैंने इस टीम और इंडियन विमेंस क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है – अपना खून, अपना पसीना, अपना समय, और कई बार, अपने खेल और पर्सनल एम्बिशन का एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए, जब मुझे अपने निजी प्रदर्शन, अपना विकास और अपने लिए जो मैं चाहती थी, उसे एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को पहले रखना चाहिए। ‘

हरमन ने लिखा, ‘एक कप्तान के तौर पर, मुझे मुश्किल फैसले लेने पड़े हैं। ऐसे फैसले जो हमेशा समझ में नहीं आते थे, हमेशा आसान नहीं होते थे, और कभी-कभी पर्सनल कीमत चुकानी पड़ती थी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका मकसद— इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और खुद का बेस्ट वर्जन बनने का

मौका देना था। ‘ दिग्गज खिलाड़ी ने लिखा, ‘मैंने सब कुछ देखा है। मैंने सबसे बुरे पल, दिल टूटना, बुराई, शक और वे दिन देखे हैं, जब कुछ भी हमारे हिसाब से नहीं होता था। और मैंने सबसे ऊँचे मुकाम भी देखे हैं—जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व, और वे पल जब हर कुर्बानी सार्थक लगी। आज मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूँ। ‘

उन्होंने लिखा, ‘मुझे सच में विश्वास है कि मेरी टीम अच्छी जगह पर है। एक ऐसी टीम, जिसमें टैलेंट,

कैरेक्टर, विश्वास और भविष्य है, जिसे देखने और जिसका हिस्सा बनने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूँ। मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया।

विश्व कप, एशियन गेम्स गोल्ड, एशिया कप, कॉमनवेल्थ

हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने देखा सफलता का ऐतिहासिक दौर

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय का मंगलवार को अंत हो गया। अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सफलता की नई ऊँचाई पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत कौर ने अपना पद छोड़ दिया है। 37 साल की हरमन ने सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की। बतौर खिलाड़ी वह सक्रिय रहेंगी। हरमनप्रीत कौर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलतम कप्तान हैं। हरमनप्रीत के कप्तान बनने से पहले भारतीय टीम देश में विदेश में बड़ी टीमों को चुनौती तो देती, लेकिन जीत से दूर रह जाती थी। 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद हरमन ने टीम की दशा और दिशा दोनों बदल दी। अपनी 10 साल की कप्तानी में हरमन ने भारतीय टीम को न सिर्फ अलग-अलग वैश्विक मंचों पर चैंपियन बनाया, बल्कि टीम को एक मजबूत और सशक्त ताकत के रूप में स्थापित किया। 37 साल की हरमनप्रीत 2016 में पूर्णकालिक कप्तान बनीं। उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने अपना पहला आईसीसी इवेंट (वनडे विश्व कप 2025) जीता था। फाइनल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने 4 बार एशिया कप (2012, 2016, 2022 और 2026) जीता। 2012 में वह अस्थायी कप्तान थीं। हरमन की कप्तानी में भारतीय महिला टीम हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 और आइवी-नागोया एशियन गेम्स में लगातार 2 बार गोल्ड मेंडल जीती। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय टीम ने हरमन की कप्तानी में ही सिल्वर मेडल जीता था। हाल ही में लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट खेला गया था। हरमन की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने घरेलू टीम इंग्लैंड को हराकर इतिहास रचा था। पिछले 10 वर्ष की अवधि में हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम को पांच टेस्ट, 51 वनडे और 155 टी20 में लीड किया। हरमनप्रीत कौर के बाद उपकप्तान स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान हो सकती हैं।

डब्ल्यूटीए टूर: गॉफ ने सन को हराया, झोंग किनवेन

‘चाइना ओपन’ के ‘अंतिम 16’ में पहुंचीं

बीजिंग । अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल ‘राउंड ऑफ 16’ में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए। गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए 28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं। इस दौरान किसी टीनएजर के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में मॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मंबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं। मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, ‘मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व हैं। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह मैच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है

कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी। ‘ वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झोंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वीं सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से तक गया, जहां झोंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

जगह बनाई। झोंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक ब्याइंड्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झोंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बैंगलोर बादशाह को 14 रन से मात देकर कोलकाता वॉरियर्स ने जीता खिताब

तिरुपति। कोलकाता वॉरियर्स ने फाइनल मैच में बैंगलोर बादशाह को 14 रनों से मात देकर ‘डेफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026’ का खिताब जीता। केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में कोलकाता वॉरियर्स ने 15 ओवरों में 121/5 रन बनाए। इसके बाद बादशाह को 107/9 के स्कोर पर रोककर 14 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह चैंपियनशिप 1 से 4 अक्टूबर 2026 तक तिरुपति के केवीएस स्पोर्ट्स पार्क क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित की गई थी। इसने देशभर के मूक-बधिर क्रिकेटर्स को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) के अध्यक्ष सुमित जैन ने टूर्नामेंट के समापन पर खिलाड़ियों, अधिकारियों, भागीदारों और हितधारकों की सराहना की और टूर्नामेंट में उनके योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया।

नेशंस लीग

फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची



पेरिस । जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई। फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से

बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी।

ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजायर डू और रेयान चेकी ने तेजी से दो

गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर देर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा। 35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रु बॉल दी।

फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलीम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की। 77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल



बोलोना । रॉबर्टो मैनिसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। जियानलुका स्कामाकों के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमासिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर

दिया, इससे पहले पियो एस्पोसिटो ने आखिरी स्टेज में जीत पक्की कर दी। कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3-1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाइंग ड्रा में सीड मिलेगी, और सबसे बढ़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने की कोशिश करेगी। इटली के लिए स्कैमाका ने तीन साल बाद गोल किया था। पहले हाफ में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाने के बाद इटली ने सिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया